Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• फरवरी २०१९ • वर्ष ७० • अंक ०२

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२ फरवरी २०१९, कोलकाता: सम्मेलन के साहित्य एवं समाज सेवा सम्मान समारोह में (बायें से) सर्वश्री कैलाशपति तोदी, प्रह्लाद राय अगरवाला, श्रीगोपाल झुनझुनवाला (उपर), रामअवतार पोद्दार, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, डॉ. (श्रीमती) शारदा फतेहपुरिया, मुख्य अतिथि गीतेश शर्मा, रवि पुरोहित, मानसिंह शेखावत 'मरूधर', संतोष सराफ, सीताराम शर्मा, रतनलाल शाह, डॉ. जुगलकिशोर सर्राफ एवं नंदलाल रूँगटा।

अखिल भारतीय समिति की बैठकः ०३ मार्च २०१९ (रविवार) को हैदराबाद में आतिथ्यः तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

(विवरण अंदर)

२६ जनवरी २०१९: सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय भवन डकबैक हाउस, कोलकाता के समक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ द्वारा झंडोत्तोलन के बाद पदाधिकारी-सदस्यगण।

नवनिर्वाचित प्रादेशिक अध्यक्ष

श्री अशोक मूँधड़ा

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

डॉ. सुभाष अग्रवाल

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

LINC
Think it. Linc it.
pentonic
born of black
pentonic™
Write the future
Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set of words to remember.
Start an idea that inspires and challenges the future.
Emerge with the boldness of black.
₹10 per U

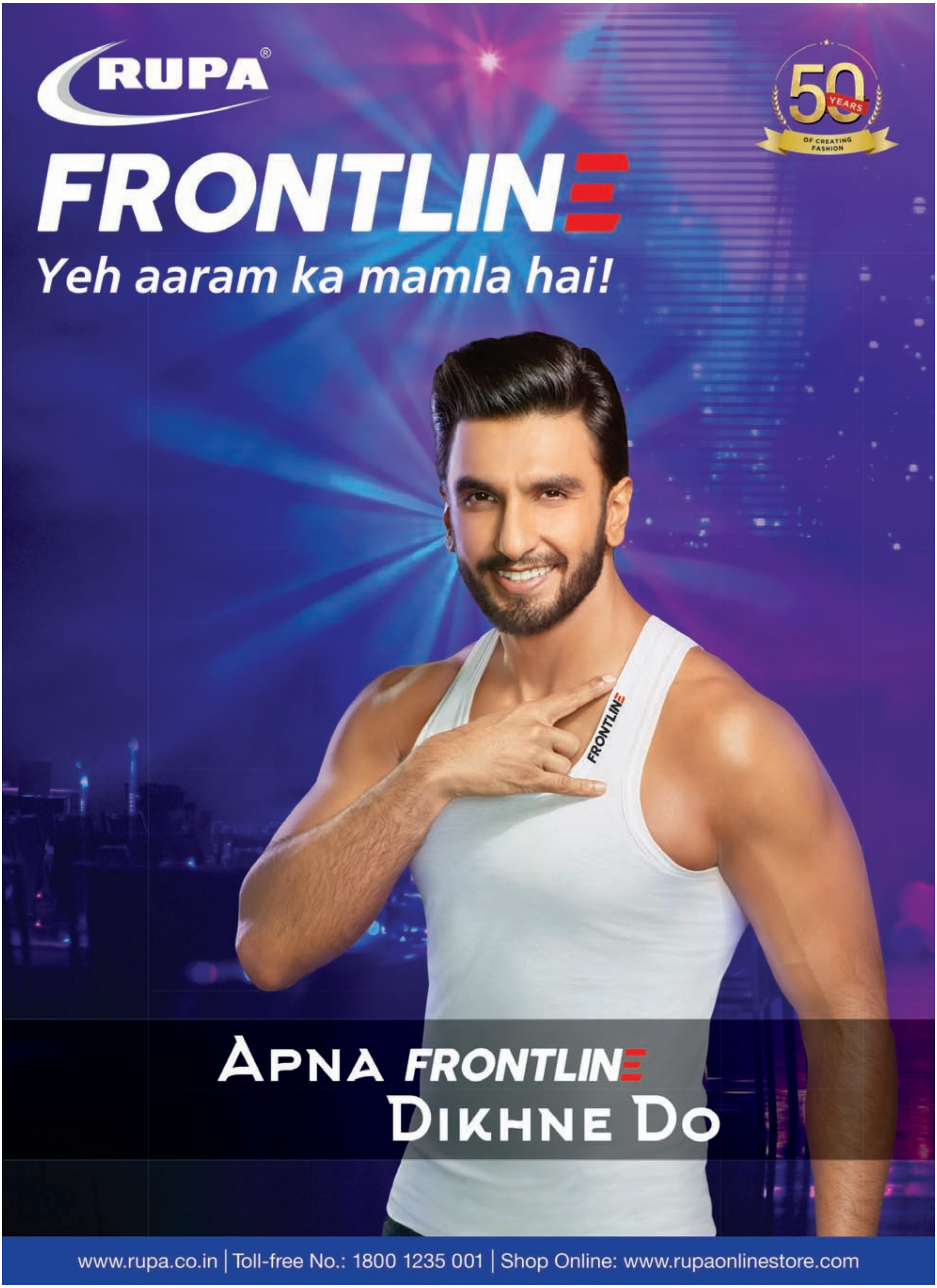
RUPA
50 YEARS
OF CREATING FASHION
FRONTLINE
Yeh aaram ka mamla hai!
FRONTLINE
APNA FRONTLINE
DIKHNE DO
www.rupa.co.in | Toll-free No.: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

With Best Compliments From:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:

GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,

BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,

VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE

समाज विकास

◆ फरवरी २०१९ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०२

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **अखिल भारतीय समिति के बैठक की सूचना**	६
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** योगस्थ कुरु कर्माणि...समत्वं योग उच्यते	७-८
● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** तमिलनाडु एवं कर्नाटक — महत्वपूर्ण उपलब्धि	९
● **केन्द्रीय / प्रान्तीय समाचार**	१०-२२
● **आलेख : रक्षा सिंह** प्रथम महिला संतूरवादिका	२३
● **अतीत : समाज विकास के पन्नो से**	२५
● **विविध**	२६-३१
● **सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत**	३३-३६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

होली प्रीति मिलन-सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सदस्यों के सूचनार्थ निवेदन है कि उक्त समारोह कोलकाता-स्थित कलामंदिर सभागार (४८, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७) में आगामी १० मार्च २०१९ (रविवार) को प्रातः १० बजे से आयोजित किया गया है।

इस अवसर पर भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश चन्द्र लाहोटी को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान' प्रदान किया जाएगा। साथ ही, देश के शीर्षस्थ कवियों द्वारा काव्यपाठ का भी आयोजन है।

निमंत्रण-पत्र समयानुसार प्रेषित किए जायेंगे। तथापि, आवश्यकतानुसार, माननीय सदस्यों द्वारा निमंत्रण-पत्रों हेतु केन्द्रीय कार्यालय से सम्पर्क का स्वागत है।

– श्रीगोपाल झुनझुनवाला
राष्ट्रीय महामंत्री

भूलसुधार

समाज विकास के जनवरी २०१९ अंक में पृष्ठ १८ पर, सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक से सम्बंधित रपट में भूलवश उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष का नाम 'श्री बिनोद तोदी' प्रकाशित हो गया है। कृपया इसे सुधार कर '**श्री अशोक जालान**' पढ़ा जाए।

किसे, क्या दें?

जीवन का सही अर्थ तब शुरू होता है, जब हम देना शुरू करते हैं। पर, किसको क्या दें, इसी के सही निर्णय का नाम है– सम्यक् विवेक!

तो हम दें–
शत्रु को क्षमा, विरोधी को सहिष्णुता,
मित्र को अपना विश्वास,
अपने बच्चे के लिए उत्तम उदाहरण,
गुरुजनों के लिए सम्मान,
अपनी माँ के लिए अपना ऐसा चारित्रिक उदाहरण–
जिस पर वह गर्व कर सके,
अपने लिए आत्मसम्मान
और सारे प्राणियों के लिए हित की कामना।

(वैचारिकी से साभार)

स्थापित : १९३५ फोन : (०३३) ४००४ ४०८९ ई-मेल : aimf1935@gmail.com वेबसाईट : www.marwarisammelan.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd. under W.B. Societies Act XXVI of 1961)

४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

प्रमुख उद्देश्य
समाज सुधार, समरसता,
राजनैतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
संतोष सराफ
9830021319

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
विवेक गुप्त
9830336200
गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
9431582989
राज कुमार पुरोहित
9821243352
विजय कुमार किशोरपुरिया
9234667111
अनिल कुमार जाजोदिया
9415201641
पवन कुमार गोयनका
9312509329

राष्ट्रीय महामंत्री
श्रीगोपाल झुनझुनवाला
9331017416

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
संजय हरलालका
9804154115
दामोदर प्रसाद बिदावतका
9331015088

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
गोपाल अग्रवाल
9331016950

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
कैलाशपति तोदी
9830044079

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन
बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंग, उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक एवं गुजरात।

Contributions exempted under Section 80G of Income Tax Act

अ.भा.मा.स./१९/२०१८-१९ *०७ फरवरी २०१९*

<u>अखिल भारतीय समिति के सभी सदस्यों की सेवा में</u>

महोदय,

*अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीतिनिर्धारक **अखिल भारतीय समिति** की आगामी बैठक **०३ मार्च २०१९ (रविवार)** को **सुबह ११ बजे से,** तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में **मनियार होम्स** (मनियार फार्म हाउस के निकट; एस.एस. कंवेंशन सेन्टर के सामने; कोठारी कॉम्प्लेक्स के पीछे), **एयरपोर्ट रोड, शम्शाबाद, हैदराबाद,** में निम्नलिखित विषयों पर विचारार्थ आयोजित की गयी है।*

बैठक में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

भवदीय,

(श्रीगोपाल झुनझुनवाला)
राष्ट्रीय महामंत्री

विचारार्थ विषय :

१. अखिल भारतीय समिति की गत बैठक का कार्यवृत (संलग्न) पारित करना।
२. राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा 'महामंत्री की रपट' एवं 'वर्तमान सत्र में अखिल भारतीय समिति के निर्णयों पर कार्यवाही की रपट' की प्रस्तुति।
३. राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की संविधान-संशोधन सम्बंधी अनुशंसाओं (संलग्न) पर निर्णय।
४. संगठन-विस्तार एवं भावी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श।
५. विविध – अध्यक्ष की अनुमति से।

***विशेष:** तेलंगाना/आन्ध्र प्रदेश के बाहर से पधारने वाले माननीय सदस्यों से निवेदन है कि वे अपने आगमन एवं प्रस्थान संबंधी पूर्व सूचना तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग (मो. ९८४८०८२७६५ / ९४९२०११११; ईमेल: rkumarbung@gmail.com) या श्री लक्ष्मीनिवास सारडा (मो. ९८४८०८०५११) एवं केन्द्रीय कार्यालय प्रबंधक श्री अभिलाष दूबे (मो. ९०८८८६८४९२; ईमेल: abhilashataimf@gmail.com) को यथाशीघ्र देने की कृपा करें ताकि आवश्यकतानुसार स्वागत एवं निवास आदि की समुचित व्यवस्था की जा सके।*

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (दूसरा तल्ला), महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७०० ००७, फोन : (०३३) २२६८ ०३१९
सम्मेलन भवन : २५ए, राजा राममोहन राय सरणी (अम्हर्स्ट स्ट्रीट), कोलकाता - ७०० ००९, फोन : (०३३) २३५० ९९२९

सम्पादकीय चिन्तन

योगस्थ कुरु कर्माणि......समत्वं योग उच्यते

जीवविज्ञानी इ.पी. दिल्सन एवं अन्य वैज्ञानिकों ने प्रकृति में सभी प्राणियों के परस्पर एक दूसरे पर निर्भरता के विषय में अध्ययन करके पाया है कि सभी प्राणी प्रकृति या जीव जगत में कुछ न कुछ अपना योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ मानव प्रकृति में कुछ भी योगदान नहीं देता। उनके अनुसार इस भूमंडल से मानव प्रजाति समाप्त हो जाय तो प्रकृति को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी। उसके विपरीत पर्यावरण की बहुत सी समस्यायों का समाधान हो जायगा। हमारे भागवत पुराण में कहा गया है कि मनुष्य को उसके जीवन का वास्तविक आनन्द भोग से नहीं योग से मिल सकता है। योग के द्वारा, आध्यात्मिक जीवन के द्वारा ही वह अपने जीवन के चरम उत्कर्ष पर पहुँच सकता है एवं तभी वह इस भूमंडल में अपना सार्थक योगदान दे सकता है।

'आहार निद्रा भयमैथुनश्च समानमेतत पशुभिनराणाम्' अर्थात आहार, निद्रा भय मैथुन जैसी प्रवृत्तियाँ पशुओं एवं मनुष्यों मे समान रूप से विद्यमान हैं। मानव बुद्धिजीवी है। उसका शरीर उसका दृश्य भाग है, मन अदृश्य भाग है। प्रत्येक मनुष्य में अतिरिक्त प्रवृत्तियाँ विद्यमान रहती है जैसे, हँसना, नई बातों का ज्ञान प्राप्त करना, अपने बारे में जानना, जीवन का लक्ष्य समझना, धनोपार्जन करना, रचनात्मक कार्यों में स्वयं को नियोजित करना, दया, दान करना। ये प्रवृत्तियाँ मानव के मन द्वारा संचालित होती हैं। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। इस लिये मनुष्य ने परिवार एवं समाज नाम की संस्था की रचना की। समाजशास्त्री अगस्त कान्हे ने कहा है कि परिवार समाज की आधारभूत इकाई है। एक अच्छा परिवार समाज के लिये वरदान और एक बुरा परिवार समाज के लिये अभिशाप होता है। परिवार सदस्यों का समाजीकरण करता है। पशुओं के समूह को झुण्ड एवं मनुष्य के समूह को समाज के नाम से जाना जाता है। समाज शब्द सभ्य मानव जगत का सूक्ष्म स्वरूप हैं। सभ्य का प्रथम अक्षर 'स' मानव का प्रथम अक्षर 'मा' एवं जगत का प्रथम अक्षर 'ज' इन तीनों के प्रथम अक्षरो का संम्मिश्रण से समाज शब्द के महत्व को समझ सकते हैं। सामूहिक एकता एवं बंधुत्व बनाये रखने, आपसी भेद-भाव को मिटाने, शिष्टाचार एवं अनुशासन ज्ञापन करने, सद्‌विचारो के आदान-प्रदान, सामूहिक जीवन, सुरक्षा, जीवन के समस्त संस्था को पर्व-उत्सवों पर सामूहिक रूप से एकत्रित होने, हवन, यज्ञ संपादित करने, धार्मिक स्थल, धर्मशाला, औषधालय, विद्यालय, पुस्तकालय आदि के निर्माण एवं रख-रखाव, शुद्ध स्वास्थ्य, स्वच्छ वातावरण बनाने, सामूहिक प्रयास से एकता सूत्र मे वाँधने हेतु समाज की आवश्यकता है। समता, सद् प्रेरणा एवं आदर्श स्थापित करने के लिये समाज में संगठन की बड़ी आवश्यकता है। एकता एवं संगठन के द्वारा हम बड़े से बड़ा काम कर सकते हैं। तन-मन-धन तीन महाशक्तियों के समागम से समाज का बहुमुखी विकास संभव होता है। संगठित होकर हम प्रत्येक क्षेत्र में निरतंर प्रगति एवं उपलब्धियों के वर्ग में स्वस्थ चिंतन कर ये नई दिशा प्रदान कर सकते हैं।

समाज का संगठन सुचारू रूप से संचालित करने के लिये मुख्य उपादान है – परस्पर आपसी हितों पर आम सहमति, परस्पर अधिकार में समानता, परस्पर उचित व्यवस्था के मानदंड, समुचित नियम-नीति निर्णय पर आधारित आचार व्यवहार, न्यायपूर्ण मानव जीवन यापन करने की व्यवस्था। सदाचार, समानता, विश्वास, सहयोग, स्वार्थहीनता को स्वीकार करने से विवाद, ईर्ष्या, द्वेष आदि पैदा नहीं होते। कर्तव्य की भावना मनुष्य में एक दूसरे के प्रति सेवा, सद्‌भावना उत्सर्ग की सदवृतियाँ पैदा करती हैं। सभी सदस्य एक दूसरे के लिये कष्ट सहन करते हैं, त्याग करते हैं। दूसरो के लिये अपने सुख और स्वार्थ का प्रसन्नता के साथ त्याग करते हैं। उसके विपरीत अपने सुख और स्वार्थ के लिये दूसरो के हकों की छीना-झपटी, अपना अधिकार बनाकर केवल पाने या लेने की इच्छा परस्पर तनाव एवं संघर्ष को जन्म देता है। परिवार एवं समाज व्यक्ति के विकास में भारी योगदान करता है। समाज एवं संस्कृति के विकास में परम्परा एवं संस्कार का अपना महत्व रहता है। महात्मा विदुर ने युधिष्ठिर को आदर्श कुलों के आधार बनाते हुए कहा था – तप, दम, ब्रह्मज्ञान, यज्ञ, दान, शुद्ध विवाह, सम्यक विचारों से कुल आदर्श बनते है। एक तरह से सोचें तो समाज परिवार का ही प्रतिबिम्ब है। जब परिवार ऐसे माहौल में फलता-फूलता हूँ तो समाज को अपने सौरभ से भर देता है।

रामचरितमानस के एक प्रसंग में श्रीराम ने परिवार और समाज का महत्व बताया है। रावण का वध करके श्रीराम अयोध्या लौटे एवं भरत ने श्रीराम को राजकाज समर्पित किया। इसके बाद एक दिन श्री राम ने एक पेड़ के नीचे बैठकर अपने तीनों भाइयों को जीवन में देश, समाज एवं परिवार का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि समाज का हित सबसे बड़ा है। हर परिवार को इस बारे में सोचना चाहिए। जब तक हम दूसरे की पीड़ा एवं व्यथा नहीं समझेंगे, हमारा विकास संभव नहीं। श्री राम ने कहा —

परहित सरिस धरम नही भाई। पर पीड़ा सम नही अधमाई।

श्री राम ने अपने परिवार मे जो विचार एवं संस्कार की नीव रखी, वह हमारे लिये भी मार्गदर्शक है।

आदर्श समाज व्यवस्था के विषय में हमारे शास्त्रों में बहुत सुंदरता से वर्णन किया गया है। ये आदर्श बनाये गये ताकि मानव अपने विकास के चरम सीमाओं तक पहुँच सके। रामायण

में कहा गया है – **परहित बसे जिन्ह के मन माही, तिन्ह कहँ जग दुर्लभ कछु नाहीं।** हमारे मनीषियों ने कहा है **आत्मवत सर्वभूतेषू, यः पश्यति सः पण्डित** – अर्थात जो सब प्राणियों को स्वयं की भांति देखता है, वह पण्डित है। गीता में कहा गया है **'सर्वभूत हिते रता'** यानि सभी प्राणियों के कल्याण के लिये कार्यरत रहो।

आज मनुष्य ने भोगों के प्रति उद्दाम लालसा के कारण अपनी आवश्यकताएँ भी अधिक कर ली हैं। वर्तमान समय में सर्वाधिक क्षय नैतिकता का हो रहा है। नैतिकता के अभाव में आर्थिक, सामाजिक एवं यौनअपराधों की अभिवृद्धि समाज को पंगु बना रही है। इन सबके कारण मानविक अवसाद, कुण्ठा एवं हिंसा की प्रवृत्ति जोर पकड़ती जा रही है। बदलते समय के साथ परिवार एवं समाज का स्वरूप भी बदल रहा है। पारस्परिक संबंधो में अर्थ का महत्व बढ़ रहा है। संबंधो में औपचारिकता के साथ साथ व्यक्तिवाद बढ़ रहा है। जीवन यांत्रिक हो रहा है। लोग व्यस्त हैं। बढ़ती महत्वाकांक्षाओ के कारण संयुक्त परिवार टूटकर एकांकी परिवार बन रहे हैं।

इस परिस्थिति से निजात पाने के लिये हमें वापिस अपने संस्कार, संस्कृति एवं शास्त्रों के आदेश की ओर लौटना होगा। यह तभी संभव है जब हम योग में स्थिर रहकर अपने मन को संचालित करें। योग के द्वारा ही हम अपने शारीरिक, मानसिक एवं संवेगिक उत्कर्ष को उच्चतर स्थिति में रख सकते हैं। निष्काम कर्म करते हुए योग हमें अपने उत्तरदायित्व को निभाना सिखाता है। योग के द्वारा व्यक्ति की मानसिक क्षमता में वृद्धि होती है, एवं उसके निर्णय लेने की क्षमता परिमार्जित होती है। इन्ही बातों को समाहित करते हुए गीता में श्री कृष्ण ने अर्जुन को योग का सार इन शब्दों में समझाया हैं –

योगस्थ कुरु कर्माणि संङ्गत्यक्त्वा धनञ्जय
सिद्धयसिद्धयोंः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते

अर्थात – सफलता या विफलता की चिंता छोड़कर योग में स्थित होकर अपने कर्म करो। उसे ही समता योग कहते हैं।

समत्वं योग उच्यते। योग जीवन में समभाव स्थापित एवं दृढ़ करता हैं। यही समभाव परिवार एवं समाज के अवधारणा की नींव हैं। यहाँ पर 'योगस्थ' का तात्पर्य है हानि लाभ, जीवन भर का यश अपयश, सत्कार-तिरस्कार, उत्कर्ष-अपकर्ष इत्यादि में समभाव रखना। किसी में भी विचलित नहीं होना।

इस समभाव की सबसे अधिक आवश्यकता हमारे सामाजिक क्षेत्र में हैं। समाज मे व्याप्त विभिन्न दृष्टिकोणों एवं प्रयोजनों में समतुल्यता हो। मन की चित-वृत्तियाँ मनुष्य को भोग एवं कामना की ओर ले जाती हैं। गीता (६.३०) में अर्जुन ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि मन चंचल, उच्छृंखल है। इसको वश में करना वायु को वश करने के समान है। गीता में भगवान ने योग की महता बताते हुए कहा है कि यदि मन चंचल है तो योगाभ्यास तथा उसके द्वारा उत्पन्न वैराग्य द्वारा उसे वश मे किया जा सकता है। मनः एवं मनुष्याणां कारण बन्धमोक्षयोः – यानि मन ही मनुष्य के वंधन का कारण है। जिस प्रकार घोड़े को एक स्थान पर बाँधकर उसकी चपलता को काबू में किया जा सकता है उसी प्रकार योग द्वारा मन की चपलता को दूर किया जा सकता है। अपनी प्रवृत्तियों को योग द्वारा मेंढ़क की तरह संकुचित करते हुए उसे कल्याण के मार्ग पर प्रवृत्त होने मे सफल हो सकते हैं। उसी व्यवस्था को समत्वं योग उच्चते कहते हैं। यह समभाव ही व्यक्ति, परिवार एवं समाज के कल्याण की आधारशिला है। उसके बिना मनुष्य भौतिक साधनों को पाकर भी अपना कल्याण नहीं कर सकता। एक बार मानव ने पशु से कहा, ओ पशु, तू दर-दर की ठोकरें खाता है, तेरे पास रहने को भी जगह नहीं तो पशु ने मानव से कहा – मैं तो बिना वस्त्र के भी रह सकता हूँ, बिना घर के भी रह सकता हूँ। कितना बड़ा योगी हूँ। तुझे तो शरीर को पालने के लिये ही उतने आडम्बर करने पड़ते हैं। तेरे पास बैंक बैलेंस है, सब कुछ है, पर फिर भी अशांत है। मैं तो हर हाल में मस्ती से दौड़ता हूँ। कुछ न होते हुए भी गली का राजा हूँ। तेरे पास सब कुछ होते हुए भी तू इन साधनों का गुलाम है। "मानव ने सोचा इतना विकास किया, पर हैं तो साधनो के गुलाम।"

इन्हीं सोचों के कारण परिवार एवं समाज में विकृतियाँ बढ़ रही है। भौतिक सुविधाओं के वाबजूद मानसिक शांति, नैतिकता एवं चरित्र के स्तर में गिरावट होती जा रही है। समस्या का समाधान तत्कालिन या अल्पकालीन उपायों से नहीं हो सकता। हमारे मनीषा के सर्वोतम आदर्शों के अनेक प्रतिबिम्बों में से एक सुन्दर प्रतिबिम्ब सभी धर्मो का सार तत्व इन पंक्तियो में व्यक्त किया गया है।

श्रूपतां धर्म सर्वस्व, श्रुत्वा चैवावधार्यताम
आत्मनः प्रतिकुलानि परेवो न समाचरेत।

अर्थात धर्म का सर्वस्व जिसमें समाया है, ऐसे धर्म का सार सुनकर हृदय में उतारिये कि अपनी आत्मा को जो दुखदायी लगे, वैसा आचार दूसरों के साथ मत मरो। व्यक्ति किसी भी प्रकार से कितना ही शक्तिशाली हो, समाज की उपेक्षा करके वह सुखी नहीं रह सकता। स्वामी विवेकानंद के अनुसार – समष्टि (समाज) के जीवन में व्यष्टि (व्यक्ति) का जीवन है। समष्टि के बिना व्यष्टि का अस्तित्व असंभव हैं। समाज के सुख में व्यक्ति का सुख है। अधिकांश कार्य दूसरो के सहयोग के विना नहीं चल सकता। यदि व्यक्ति को अपनी वास्तविकता का पता चल जाय एवं उसे स्मरण रखे तो संघर्ष का कोई कारण ही नहीं होगा। कर्म का त्याग नहीं अपितु समाज के विकास में कर्म का उपयोग करना चाहिए। ऐसे अनगिनत महापुरुष हुए हैं जिन्होंने इसी सोच के साथ अपने कर्मो से विश्व को सुन्दरता प्रदान की है। इस विषय में तत्काल हमारे भूतपूर्व राष्ट्रपति ए.पी.ए अब्दुल कलाम का स्मरण हो आता है। अनवरत निष्काम कर्म करते हुए उन्होंने भौतिक सफलता के चरम के साथ-साथ आध्यात्मिक सफलता में भी सर्वोच्च मुकाम हासिल किया। सभी कलाम नहीं बन सकते पर उनके द्वारा दिखाये गये मार्ग पर योगस्थ होकर कार्य करते हुए भौतिक एवं आध्यात्मिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

शिवकुमार लोहिया

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

तमिलनाडु एवं कर्नाटक में प्रादेशिक शाखाओं का पुनर्गठन महत्वपूर्ण उपलब्धि

– सन्तोष सराफ

आपसे यह साझा करते हुए मुझे हर्ष है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियाँ उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर हैं। प्रांतो से भी उत्साहवर्धक समाचार मिल रहे हैं। जैसा कि आपको ज्ञात हो, देश के प्रत्येक जिले में सम्मेलन की शाखा गठन के लक्ष्य को लेकर हम आगे वढ़ रहे हैं। इस उद्देश्य के तहत तमिलनाडु एवं कर्नाटक की प्रांतीय इकाईयों का पुनर्गठन का कार्य सम्पन्न हो गया है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका की अगुवाई में तमिलनाडु शाखा के पुनर्गठन का कार्य सम्पन्न हुआ है। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने पिछले माह चैन्नई जाकर स्थानीय समाजबंधुओ से विचार विमर्श करके तमिलनाडु इकाई के पुनर्गठन में सफलता पाई है। उसके लिये सभी बधाई के पात्र हैं। तमिलनाडु प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में श्री अशोक कुमार मूँधड़ा एवं प्रांतीय महामंत्री के रूप मे श्री अशोक केडिया मनोनीत हुए है। मैं इन्हें अपनी एवं सम्मेलन की ओर से वधाई प्रेषित करता हूँ एवं सम्मेलन परिवार में हार्दिक स्वागत करता हूँ। मुझे विश्वास है कि तमिलनाडु इकाई तमिलनाडु में समाजबंधुओं को संगठित करने में सफलता हासिल करेगी। हम यह मानते हैं कि पिछले दो-तीन दशको में तमिलनाडु में समाजबंधुओं की जनसंख्या में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इस इकाई गठन से तमिलनाडु के समाजबंधुओ को देश के समाजबंधुओ के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा।

दक्षिण भारत में कर्नाटक भी एक महत्वपूर्ण प्रांत है। इस प्रांत में भी पिछले कुछ वर्षों से प्रांतीय इकाई के पुनर्गठन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। मुझे इस बात की खुशी है कि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व महामंत्री श्री बसंत मित्तल ने हाल ही में बंगलोर, मैसूर एवं मंगलोर का दौरा किया है। उनके सद्प्रयासों के परिणामस्वरूप कर्नाटक प्रांत की इकाई का गठन किया जा चुका है, पदभारग्रहण आगामी २ मार्च को होने जा रहा है। मैं श्री बंसत मित्तल को उनके सद्प्रयासों के लिये धन्यवाद देता हूँ। अब देश के बाकी प्रांतों में नई शाखाएँ खोलने पर हमे अपना ध्यान केन्द्रित करना होगा। मैं सभी समाजबंधुओं से अनुरोध करूँगा कि उन प्रांतो को छोड़कर जहाँ पर प्रांतीय सम्मेलन सक्रिय है, अन्य प्रांतो में उनका अगर सम्पर्क सूत्र हो तो, मुझे अवगत करवायें ताकि उनसे सम्पर्क स्थापित किया जा सके।

प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश के होनहार बच्चो को प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार दिया जाता है। मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष है कि इस वर्ष पुरस्कृत बच्चों में से दो बच्चे कोलकाता से भी चुने गये हैं। इन बच्चो का नाम हैं आर्यमन अग्रवाल एवं आर्यमान लाखोटिया। आर्यमन अग्रवाल सम्मेलन के ही परम हितैषी श्री अशोक अग्रवाल के सुपौत्र हैं। आर्यमन एशिया के सबसे कम उम्र के जादूगर के रूप में प्रतिष्ठित है। साथ ही साथ समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों की सहायता की दृष्टि से विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम भी वह आयोजित करता है। आर्यमन को यह पुरस्कार कला एवं संस्कृति के ग्रुप में मिला है। आर्यमान लाखोटिया भी समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों के लिये टॉय जॉय (Toy Joy) नामक एक संस्था संचालित करता है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उन बच्चो मे वह खुशियाँ बाँटता हैं। आर्यमान लाखोटिया को यह पुरस्कार समाज सेवा के क्षेत्र में दिया गया है। मैं दोनो बच्चों को अपनी ओर से एवं सम्मेलन की ओर से हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूँ। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। पूरे समाज के लिये यह गौरव की बात हैं। दोनों ही बच्चों को उनके परिवार से प्रेरणा एवं भरपूर सहयोग मिलता है, जो प्रशंसनीय है। आवश्यकता इस बात की है कि इन गौरवमय उपाख्यानों का हम समाज में प्रचार-प्रसार करें ताकि और भी युवा इनसे प्रेरणा ले सकें। समाज मे व्याप्त नकारात्मकता को हम इस प्रकार के सकारात्मक समाचारों के प्रचार-प्रसार से ही दूर कर सकते हैं।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी, सुप्रसिद्ध कलाकार डॉ. भूपेन हजारिका एवं श्री नानाजी देशमुख को भारत रत्न से विभूषित किया गया है। मैं श्री प्रणव मुखर्जी को इस सम्मान के लिये हार्दिक बधाई देता हूँ। उन्होने पाँच दशकों से भी अधिक देश की अनवरत सेवा की है। आदरणीय श्री मुखर्जी सम्मेलन के कार्यक्रम में भी शरीक हुए थे एवं समाज के प्रति उन्होंने अपने सकारात्मक एवं प्रशंसनीय उद्‌गार प्रकट किये थे, जिसकी याद अभी भी ताजा है।

आगामी ३ मार्च को हैदराबाद में तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में अखिल भारतीय समिति की बैठक होने जा रही है। मैं तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग एवं अन्य पदाधिकारियों को इस आतिथ्य के लिये धन्यवाद देता हूँ!

सामाजिक, राजनैतिक सक्रियता अत्यंत महत्वपूर्ण – संतोष सराफ

राष्ट्र में गणतंत्र-स्थापना की ६९वें वर्षगाँठ के अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने सम्मेलन के पदाधिकारियों-सदस्यों के साथ सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय भवन (डकबैक हाउस, कोलकाता) के समक्ष झंडोत्तोलन किया। उत्साहपूर्वक राष्ट्रगान हुआ और तत्पश्चात् सम्मेलन सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि आज देश जातिवाद, संप्रदायवाद जैसी जटिल समस्याओं सें जूझ रहा है जो राष्ट्र को कमजोर करते हैं। हमें राष्ट्र को अधिक से अधिक मजबूत करने का प्रयास करना चाहिये। चुनावों में अधिक से अधिक मारवाड़ी समुदाय को भाग लेना चाहिये। उन्होंने बताया कि महिलाओं की भागीदारी रोजगार में सिर्फ २४ प्रतिशत ही है। उसे कम से कम ५० प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रयास करना चाहिये। इसके साथ ही विवाह-शादी में खर्च के अलावा भी अलग से समाज के बच्चों के अच्छे भविष्य के लिये कुछ भाग शिक्षा के क्षेत्र में भी अनुदान करने का विचार करना चाहिये।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि भारत १० साल के अन्दर विश्व की तीसरी महाशक्ति बनने जा रहा है। इसमें मारवाड़ी समुदाय का योगदान भी तीव्र रूप से बढ़ना चाहिये। शादी विवाह में दिखावे में कम से कम खर्च करना चाहिये। सुधार की प्रक्रिया में मीडिया का सहयोग भी लेना चाहिए।

सम्मेलन के वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोंथलिया** ने भी समाज सुधार हेतु सक्रिय प्रयासों का आह्वान किया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** ने कहा कि जो भी अच्छे सुझाव आ रहे है उसे सबसे पहले अपने से शुरू करना चाहिये एवं सम्मेलन को मजबूती की बढ़ाने के लिये सम्मेलन से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना चाहिये।

पश्चिम बंग प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** ने संविधान की चर्चा की और समाज की एकता को प्राथमिकता दी।

निवर्तमान महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि मनुष्य को ऐसी कर्मों की छाप छोड़नी चाहिये जो हर एक के दिल में बैठ जाये। इसके लिये उन्होंने हृदय परिवर्तन का सुझाव दिया।

पूर्व महामंत्री श्री भानीराम सुरेका, श्री प्रमोद गोयनका आदि ने भी अपने अपने विचार रखे।

अंत में राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल जी झुनझुनवाला** ने शहीदों के बलिदानों को याद कराते हुये राष्ट्र की मजबूती को अहम बताते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

समारोह में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रुँगटा, श्री रामअवतार पोद्दार एवं अन्य सर्वश्री ओम लड़िया, विनय सराफ, रुपक केडिया, राम कैलाश गोयनका, देवी प्रसाद ककरानियाँ, राजेन्द्र प्रसाद सुरेका, पवन कुमार जालान, शरत झुनझुनवाला, आकाश गुप्ता, पंकज कुमार केडिया, उमेदमल मेहता, किशन कुमार किला आदि उपस्थित थे।

RUNGTA GROUP
Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

समाज सेवा के लिए दान मारवाड़ियों की परम्परा और दायित्व दोनों : गीतेश शर्मा

आडम्बर के बजाय समाजहित के कार्यों में हो धन का सदुपयोग : संतोष सराफ

"सम्पन्न व्यक्तियों का यह कर्तव्य है कि समाज के संसाधनहीन तबकों के विषय में भी विचार करें और यथासम्भव सहयोग का प्रयास करें। आडम्बर एवं फिजूलखर्ची के बजाय धन का उपयोग समाजहित के कार्यों में करें।" ये उदगार हैं सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** के जो उन्होने सम्मेलन द्वारा हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता में ०२ फरवरी २०१९ को आयोजित साहित्य एवं समाजसेवा सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

समारोह में श्री सराफ ने सर्वप्रथम सबका स्वागत किया और सम्मेलन के समाज सुधार, समाज सेवा एवं भाषा-साहित्य को प्रश्रय सम्बंधी गतिविधियों की पृष्ठभूमि के विषय में बताया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. भंवरमल सिंधी का उदाहरण देते हुए उन्होंनें कहा कि हमें 'प्रैक्टिस बिफोर प्रीचिंग' के सिद्धांत का पालन करना चाहिए।

मुख्य अतिथि श्री गीतेश शर्मा का स्वागत/सम्मान करते पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार।

समारोह के मुख्य अतिथि मूर्धन्य साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार **श्री गीतेश शर्मा** ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि समाज सेवा के लिए दान देना मारवाड़ियों की परम्परा है और दायित्व भी। ८७ वर्ष की वयोवृद्ध अवस्था में भी अपने ओजस्वी स्वर में श्री शर्मा ने सर्वस्वर्गीय विश्वम्भर दयाल सुरेका, सीताराम सेकसरिया, भागीरथ कानोड़िया, रामेश्वर टाँटिया आदि का समाज सेवा के क्षेत्र में और स्व. कन्हैया लाल सेठिया एवं स्व. ज्योति प्रकाश अग्रवाल का राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि में उत्कृष्ट योगदान के लिए स्मरण किया।

समारोह के प्रधान वक्ता एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने सम्मेलन की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों आदि पर प्रकाश डाला एवं मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उनके सम्बंध में कई रोचक संस्मरण सुनाये।

सम्मान समारोह में मनोविज्ञान केन्द्र कोलकाता की चेयरपर्सन एमिरेटस **डॉ. शारदा फतेहपुरिया** को **भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान**, जयपुर के मूर्धन्य साहित्यकार **श्री भानसिंह शेखावत 'मरूधर' को केदारनाथ-भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान** एवं बीकानेर के युवा साहित्यकार **श्री रवि पुरोहित** को **सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान** से नवाजा गया। इस अवसर पर कोलकाता के उदीयमान सितारे **आर्यमान अग्रवाल** का, जो प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार–२०१९ हेतु चयनित हुए एवं भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित हुए, अभिनंदन भी किया गया।

सम्मान के आभार प्रकट करते हुए जहाँ डॉ. शारदा फतेहपुरिया ने भावी पीढ़ी की शिक्षा के स्तर पर ध्यान को अनिवार्य बताया, वहीं श्री रवि पुरोहित एवं श्री मानसिह शेखावत 'मरूधर' ने राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने हेतु सभी से सक्रिय प्रयासों का अनुरोध किया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि का पद सुशोभित करते हुए सम्मेलन के पूर्व अध्यक्षों **श्री नंदलाल रुँगटा** एवं **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु सक्रिय एवं प्रभावशाली प्रयासों का आह्वान किया। श्री रुँगटा ने भाषा के सरलीकरण पर भी बल दिया। सम्मेलन की पुरस्कार चयन उपसमिति के चेयरमैन **श्री रतन शाह** ने कहा कि सामाजिक उदासीनता एवं सरकारी उपेक्षा भाषा की प्रगति के सबसे बड़े बाधक हैं। सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

सम्मान समारोह तस्वीरों के आईने में

डॉ. शारदा फतेहपुरिया को सम्मानित करते वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया।

श्री भानसिंह शेखावत 'मरुधर' को सम्मानित करते पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला।

श्री रवि पुरोहित को सम्मानित करते राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी।

श्री आर्यमान अग्रवाल का अभिनन्दन करते समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन डॉ. जुगल किशोर सर्राफ।

समारोह में सम्मेलन के पदाधिकारी-सदस्यगण एवं गणमान्य समाजबंधु।

समारोह का संचालन करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने सम्मेलन-सम्बंधी उद्धरणों एवं अपनी प्रबुद्ध टिप्पणियों से माहौल को सरस बनाये रखा। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों **श्री रामअवतार पोद्दार** एवं **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला**, समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने मुख्य अतिथि, पुरस्कृत समाजसेवी एवं साहित्यकारों का सम्मान किया। समारोह में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय श्री संजय हरलालका एवं श्री दामोदर बिदावतका, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल, श्रीमती सरिता लोहिया, सर्वश्री आनन्द अग्रवाल, शिव कुमार लोहिया, दिनेश जैन, रतन मारोठिया, सम्पतमल बच्छावत, राधाकिशन सफ्फड़, नरेन्द्र तुलस्यान, रवि लोहिया, नंदलाल सिंघानिया, श्यामलाल डोकानिया, प्रदीप जीवराजका सहित बड़ी संख्या में महिलायें-पुरुष उपस्थित थे।

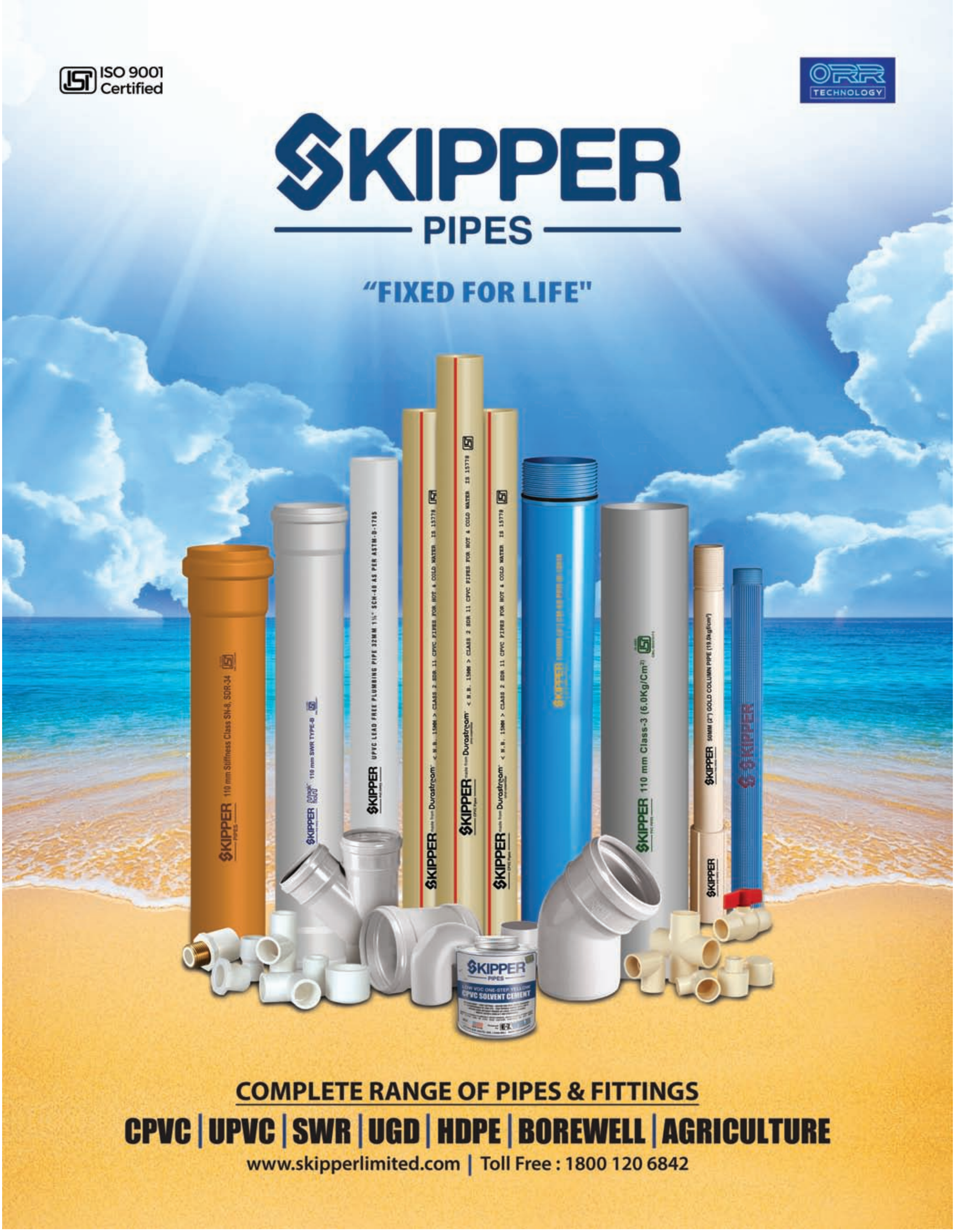

ISO 9001 Certified
ORR TECHNOLOGY
SKIPPER
PIPES
"FIXED FOR LIFE"
COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS
CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE
www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का पुनर्गठन

अशोक मूँधड़ा होंगे प्रादेशिक अध्यक्ष

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्गठन के लिए गत ९ दिसम्बर २०१८ को एक बैठक चेन्नै स्थित डी.जी. वैष्णव कॉलेज में आयोजित की गई। सम्मेलन द्वारा मनोनीत संयोजक **श्री जगदीश प्रसाद शर्मा** ने बैठक के आयोजन हेतु आवश्यक प्रबंध किए और धुरीय भूमिका निभाई।

बैठक में सर्वप्रथम सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** ने उपस्थित समाजबंधुओं का स्वागत किया और सम्मेलन के इतिहास, उद्देश्य एवं गतिविधियों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में सम्मेलन के संगठन-विस्तार की अच्छी सम्भावनाएँ हैं और अधिकाधिक समाजबंधुओं को साथ लेकर इसके लिए सक्रिय प्रयास किए जाने चाहिए।

प्रादेशिक अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारम्भ होने पर अग्रणी समाजबंधु **श्री महेश अग्रवाल** ने प्रादेशिक अध्यक्ष हेतु **श्री अशोक मूँधड़ा** का नाम प्रस्तावित किया। **श्री रामौतार रुँगटा** एवं **श्री अशोक गोयल** ने उसका समर्थन किया। विचार-विमर्श के बाद श्री अशोक मूँधड़ा सर्वसम्मति से तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

अपने निर्विरोध निर्वाचन पर उपस्थित समाजबंधुओं का आभार प्रकट करते हुए श्री अशोक मूँधड़ा ने कहा कि तमिलनाडु में सम्मेलन का सदस्यता-विस्तार उनकी पहली प्राथमिकता होगी जिसके लिए शीघ्र सक्रिय प्रयास प्रारम्भ किए जायेंगे। उन्होंने **श्री अशोक केडिया** को प्रादेशिक महामंत्री मनोनीत किया। श्री मूँधड़ा ने कहा कि आगामी महीनों में एक उपयुक्त समारोह का आयोजन कर पदभार ग्रहण होगा।

श्री अशोक केडिया

बैठक को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** ने सम्मेलन के संगठन एवं राष्ट्रीय विस्तार के विषय में जानकारी दी। उन्होंने सभी उपस्थितों से यथाशीघ्र सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण करने का एवं दूसरों को भी सम्मेलन से जोड़ने का प्रयास करने का अनुरोध किया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने सदस्यता एवं सदस्यता शुल्क के विषय में जानकारी दी। सामाजिक संगठन को आवश्यक बताते हुए श्री तोदी ने सभी से तमिलनाडु सम्मेलन को एक सुगठित एवं सक्रिय प्रादेशिक शाखा बनाने में सहयोग का अनुरोध किया।

बैठक में सर्वश्री श्याम सुन्दर गोयनका, कैलाशमल दुग्गड़, गोपाल अग्रवाल, मुरारिलाल सोन्थलिया, शिव कुमार गोयनका, एस. सी. अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, के. के. गुप्ता, अशोक कुमार गोयल, इन्द्रराज बंसल, पराशर लोहिया, विजय गोयल, गोविन्द प्रसाद अग्रवाल, पी. के. अग्रवाल सहित अग्रणी समाजबंधु उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री अशोक मूँधड़ा। नीचे – राष्ट्रीय पदाधिकारीगण (दाहिने से) सर्वश्री पवन गोयनका, गोपाल अग्रवाल एवं कैलाशपति तोदी

श्री अशोक मूँधड़ा : संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री अशोक मूँधड़ा का जन्म १० मार्च १९६० को माता श्रीमती मैनाबाई मूँधड़ा एवं पिता स्व. जीवन लाल मूँधड़ा के यहाँ हुआ। इनके पूर्वजों का पैतृक स्थान बीकानेर (राजस्थान) है तथापि वे उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में ही चैन्नै (तब मद्रास) आ गए थे।

श्री अशोक मूँधड़ा के पिता एवं पितामह का समाजसेवा, विशेषकर शिक्षा के क्षेत्र में, अत्यंत सक्रिय थे। अतः समाजसेवा का भाव आपको घुट्टी में ही मिला। १९९८ से आप सक्रिय रूप से शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़ गए और तब से अब तक कई शैक्षणिक संस्थानों को अपनी निःस्वार्थ सेवाएँ दी हैं। आप जिस भी संस्थान से जुड़े उसके सर्वांगीण उन्नति के लिए तन-मन-धन से प्रयासरत हुए एवं स्वर्णिम सफलताएँ हासिल की। शिक्षा के अतिरिक्त चिकित्सा के क्षेत्र में सेवाकार्य करने में भी उनकी अभिरूचि है और आप चिकित्सा-सेवा देने वाली संस्थाओं के साथ भी सक्रिय हैं। खेलों में भी उनकी रुचि है।

श्री मूँधड़ा का परिवार १८९५ से सर्राफा व्यवसाय में है और आप भी अपने पैतृक व्यवसाय से जुड़े हैं। आपकी फर्म मे फुसाराम मुनथाडा 'द मद्रास जेवेलर्स डायमंड मर्चेण्ट असोसिएशन' के संस्थापक सदस्यों में से एक है। १९८८ में आप इस संस्था से कार्यकारिणी समिति सदस्य के रूप में जुड़े एवं १९९९-२००२ एवं २००६-२००८ में मानद सचिव भी रहे। इसके अतिरिक्त भी आपने अपने व्यवसाय से सम्बंधित कई संस्थाओं को अपनी सेवाएँ दी हैं। आपको तमिलनाडु ज्वेलर्स फेडेरेशन के संरक्षक सदस्य होने का गौरव भी हासिल है। आप सन् २००० से ऑल इंडिया सर्राफा असोसिएशन के सह सचिव भी हैं।

बहुमुखी सामाजिक व्यक्तित्व के धनी श्री अशोक मूँधड़ा का मानना है कि परिवार एवं समाज के प्रति हर व्यक्ति को अपने दायित्वों का यथासम्भव पालन करना चाहिए। धर्मपत्नी श्रीमती रेखा मूँधड़ा, पुत्र-पुत्रवधू एवं पौत्रों के भरे-पूरे परिवार के साथ श्री मूँधड़ा चैन्नै में निवास करते हैं।

कर्नाटक में सम्मेलन की प्रादेशिक शाखा पुनर्गठित

डॉ. सुभाष अग्रवाल निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

गत ३० जनवरी २०१९ को बेंगलुरू में एक बैठक का आयोजन कर कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी की गई। बैठक में अग्रणी समाजसेवी **डॉ. सुभाष अग्रवाल** को निर्विरोध कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। डॉ. अग्रवाल ने **श्री रमाकान्त सर्राफ** को प्रादेशिक महामंत्री मनोनीत किया।

श्री रमाकान्त सर्राफ

डॉ. सुभाष अग्रवाल (बायें) सम्मेलन की सदस्यता-विस्तार उपसमिति के संयोजक श्री बसंत मित्तल के साथ।

पुनर्गठन की प्रक्रिया में सक्रिय सम्मेलन की सदस्यता-विस्तार उपसमिति के संयोजक **श्री बसंत मित्तल** ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री अनिल जाजोदिया** के मार्गदर्शन में गत कुछ महीनों से कर्नाटक में प्रादेशिक शाखा के पुनर्गठन एवं संगठन-विस्तार हेतु सक्रिय प्रयास किए गए हैं। अब जिला-नगर शाखाओं की स्थापना भी की जा रही है।

श्री सुभाष अग्रवाल : संक्षिप्त जीवन परिचय

डॉ. सुभाष अग्रवाल का जन्म १८ जून १९५८ को झरिया, बिहार (अब झारखंड) में माता स्व. सत्यभामा अग्रवाल एवं पिता स्व. सत्यनारायण अग्रवाल के कुलदीपक के रूप में हुआ। आपने एम. कॉम की शिक्षा प्राप्त की है।

अल्प आयु से ही डॉ. सुभाष अग्रवाल की सामाजिक कार्यों में रुचि थी। आप कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सदस्य, कर्नाटक कांग्रेस की मार्केट कमिटी एवं मास कंटैक्ट प्रोग्राम के सह-चेयरमैन, कर्नाटक कांग्रेस के विचार विभाग के महामंत्री, फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के इंटरनेशनल ट्रेड कमिटी के चेयरमैन, राजभवन, बेंगलुरू में संसाधनहीन बच्चों के लिए विद्यालय का प्रबंधन करनेवाली संस्था फोरम फॉर कम्युनिटि डेवलपमेंट के संस्थापक अध्यक्ष, रोटरी डिस्ट्रिक्ट ३१९० की रिशेप्सन कमिटी के चेयरमैन एवं कर्नाटक वैश्य फेडरेशन के अध्यक्ष हैं। इसके अतिरिक्त भी आप कई सामाजिक-राजनैतिक-कल्याणकारी संस्थाओं से जुड़े हैं।

नेत्रदान, रक्तदान, परिवार, नियोजन आदि हेतु शिविरों एवं तम्बाकू निषेध की रैंलियों के आयोजन में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आपने रोटरी क्लब के पोलियो निवारण कार्यक्रम के तहत पूरे देश की यात्रा की है एवं इसके लिए जनजागरण हेतु भगीरथ-प्रयास किए हैं।

डॉ. सुभाष अग्रवाल को राजभवन, बेंगलुरू में २६ जनवरी २००२ को कर्नाटक की तत्कालीन महामहिम राज्यपाल श्रीमती रमा देवी के कर-कमलों से 'सेल्फलेस सर्विस अवार्ड', लगातार तीन सालों तक 'बेस्ट रोटरियन अवार्ड', डैडी केयर से 'बेस्ट पर्सन अवार्ड', हुबली पिंजरापोल संस्थान से 'करूणासागर-२००८' सहित अनेक ख्यातिप्राप्त सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

रोजगार देने में पारिवारिक व्यवसायों की महती भूमिका : राजेश जैन
पारिवारिक व्यवसाय में भूमिका तय होना जरूरी : कुंज बिहारी अगरवाला

गत ५ जनवरी २०१९ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित कार्यालय सभागार में '**पारिवारिक व्यवसाय – बदलते परिदृश्य में अस्तित्व-संरक्षण एवं विकास**' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के वक्ता-लेखक एवं पारिवारिक व्यवसाय विशेषज्ञ **श्री राजेश जैन** एवं रूपा एण्ड कम्पनी के प्रबंध निर्देशक **श्री कुंज बिहारी अगरवाला** वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

संगोष्ठी में सर्वप्रथम सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने सबका स्वागत किया और कहा कि पारिवारिक व्यवसाय में परिवार के सभी सदस्यों को सम्मिलित करना आवश्यक है। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन **श्री शिव कुमार लोहिया** ने विषय-प्रवर्तन किया।

श्री राजेश जैन ने अपने वक्तव्य में कहा कि पारिवारिक व्यवसाय सबसे बड़े रोजगार-दाता हैं और उद्यमिता के मूल में हैं। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ पारिवारिक व्यवसायों को भी बदलना पड़ेगा। आज व्यवसायी वर्ग के बच्चे बाहर जा रहे हैं और वापस नहीं आना चाहते क्योंकि पारिवारिक व्यवसायों के प्रति उनका रूझान कम होता जा रहा है। पारिवारिक व्यवसायों में उनकी रूचि जाग्रत करने के लिये आवश्यक है कि इनमें नवीनता लाई जाए और बदलते समय के अनुकूल बनाया जाय।

श्री कुंज बिहारी अगरवाला ने पारिवारिक व्यवसाय के अपने विशद अनुभव के विषय में बताते हुए कहा कि पारिवारिक व्यवसाय में यह अनिवार्य है कि सभी की भूमिका स्पष्ट हो। उन्होंने कहा कि योग्य व्यक्ति को सभी की सलाह से आगे लाना

(बायें से) श्री राजेश जैन, श्री संतोष सराफ एवं श्री कुंज बिहारी अगरवाला।

पारिवारिक व्यवसायों के लिए जरूरी है। व्यवसाय बढ़ने के साथ प्रोफेशनल लोगों की मदद भी लेनी पड़ सकती है। लेकिन अगर परिवार का व्यक्ति ही प्रोफेशनल की भूमिका निभा सके तो इससे अच्छा कुछ नहीं हो सकता।

वक्तव्यों के बाद श्री राजेश जैन ने उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का भी उत्तर दिया और उनकी शंकाओं का समाधान किया। संगोष्ठी के अंत में सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सेमिनार उपसमिति के संयोजक **श्री दिनेश कुमार जैन** ने आयोजन में अग्रणी भूमिका निभाई।

संगोष्ठी में सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, सर्वश्री राजेन्द्र खण्डेलवाल, अमित मुँधड़ा, शरत झुनझुनवाला, गोपी किशन अग्रवाल, पवन अग्रवाल, अरूण जगतरामका, रवि लोहिया, सुरेन्द्र क्याल, पवन जैन, कुलदीप जैन, शिव रतन अगरवाला, गिरधारी लाल अगरवाला, अनिल जैन, राजेश कुमार पहाड़िया, प्रेम चंद सुरेलिया सहित गणमान्य समाजबंधु उपस्थित थे।

निरंतर कार्यक्रमों से संगठन होगा लाभान्वित : संतोष सराफ

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत २७ जनवरी २०१९ को मेटियाबुर्ज, कोलकाता स्थित श्रीराम इंडस्ट्रीज एवं एक्सपोर्ट प्रा. लि. के उद्यान में एक पिकनिक का आयोजन किया गया। पिकनिक में पश्चिम बंग सम्मेलन के सदस्य अपने परिवारों के साथ काफी अच्छी संख्या में उपस्थित थे।

उपस्थित समाजबंधुओं को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कार्यक्रम के आयोजन एवं उपस्थिति पर हर्ष प्रकट करते हुए कहा कि समय-समय पर इस प्रकार के आयजनों से पदाधिकारियों-सदस्यों को परस्पर विचार-विमर्श एवं समन्वय का उपयोगी अवसर प्राप्त होता है और सम्मेलन के संगठन को इससे बहुत लाभ होता है।

उपस्थित समाजबंधुओं को सम्बोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ।

इस अवसर पर 'लक्की ड्रा' का आयोजन कर विजेताओं को उपहार दिए गए। विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन भी किया गया जिसमें महिलायों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

संयोगवश समारोह के अगले ही दिन पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** का जन्मदिन था। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं उपस्थित लोगों ने उन्हें अग्रिम बधाइयाँ दी।

समारोह के अंत में गंगा आरती का आयोजन किया गया। कुल मिलाकर समारोह बहुत उत्साहपूर्ण एवं आनंदप्रद रहा। इस अवसर पर सर्वश्री अनिल डालमिया, कमल सरावगी, पंकज केडिया, नारायण प्रसाद अग्रवाल, वेदप्रकाश जोशी, विश्वनाथ खरकिया, निर्मल सराफ, गोपी धुवालिया, आकाश गुप्ता, रूपक केडिया, किशन किला, राजेन्द्र प्रसाद सुरेका, शंभु मोदी सहित गणमान्य सज्जन उपस्थित थे।

मातृभाषा दिवस की हार्दिक बधाइयाँ !

आठ कोड़ गूंगा

आठ कोड़ बण्या थे गूंगा
किंयां हुसी निसतारो?

मायड़ भासा राजस्थानी
कळपै, बीखो भोगै,
हाळण बणगी निज रै घर में
दूजा थाळ अरोगै,

नहीं बावड़ै बगत गयोड़ो
चेतो, भविस विचारो!

बिना मानता मीरा री माँ
किण नै दरद बतावै?

निज री जांघ उघाड़्यां निज नै
लाज घणैरी आवै,

जूझो, हक रै खातर, थे मत
मिनख जमारो हारो!

सूख्यां जावै बिना नेह आ
संजीवण री बूंटी,
थे कंचन रै मेहां भीजो
थांरी तिसणां झूठी,

उठो, आळखो आपो थांरो
घणमोला मोट्यारो!

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोवर्धन गाड़ोदिया का पूर्वोत्तर दौरा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा पूर्वोत्तर प्रांत के प्रभारी श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने गत ११ फरवरी २०१९ को गुवाहाटी का दौरा किया। उनके सम्मान में सम्मेलन की पूर्वोत्तर प्रादेशिक इकाई ने गुवाहाटी में एक स्वागत सभा का आयोजन किया गया। सभा में सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया के अलावा पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओंकारमल अग्रवाल एवं डॉ. एसएस हरलालका, प्रांतीय महामंत्री राजकुमार तिवाड़ी, प्रांतीय कोषाध्यक्ष संजय कुमार मोर, गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष सांवरमल अग्रवाल, सचिव शंकर विड़ला, गुवाहाटी महिला शाखा अध्यक्ष कंचन केजरीवाल, प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी विवेक सांगानेरिया, संजय मोदी, विश्वनाथ मोदी, राजकुमार अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

सभा में असम की वर्तमान परिस्थिति के साथ ही पूर्वोत्तर प्रांत में सम्मेलन की गतिविधियों पर खुलकर चर्चा हुई। सभा में डॉ. हरलालका ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन के ८३ वर्ष के इतिहास को पूर्वोत्तर प्रादेशिक इकाई लिपिबद्ध कर रही है। इस कार्य को वे प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रहे हैं और कार्य लगभग संपूर्ण हो चुका है। शीघ्र ही इस पुस्तक का विमोचन किया जाएगा। ओंकारमल अग्रवाल ने असम की वर्तमान परिस्थिति की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। लगभग सभी ने इस चर्चा में हिस्सा लिया। प्रादेशिक अध्यक्ष व महामंत्री ने संगठनात्मक जानकारी प्रस्तुत की।

श्री गाड़ोदिया (बायें) डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका के साथ।

इस दौरान सम्मेलन की गुवाहाटी एवं गुवाहाटी महिला शाखा की तरफ से श्री गाड़ोदिया को फुलाम गमछा से अभिनंदन किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में पूर्वोत्तर प्रांतीय इकाई एवं प्रांत की अधिकांश शाखाओं की सक्रियता पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि आगामी ३ मार्च को हैदराबाद में अखिल भारतीय समिति की महत्वपूर्ण सभा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें संविधान संशोधन से संबंधित अनेक प्रस्तावों पर चर्चा होगी। आजीवन सदस्यता शुल्क को दोगुना करने का भी प्रस्ताव आया है जिस पर निर्णय भी उक्त सभी में लिया जाएगा। श्री गाड़ोदिया ने सम्मान हेतु पूर्वोत्तर प्रांत व कार्यक्रम के संयोजक संजय मोर का आभार व्यक्त किया।

उपाध्यक्ष गाड़ोदिया नागपुर में भी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने नागपुर के अपने निजी दौरे के दौरान २५ जनवरी २०१९ को महाराष्ट्र सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष श्री रमेशचन्द्र बंग से शिष्टाचार भेंट की। महाराष्ट्र में सम्मेलन की गतिविधियों को विस्तार करने पर विचार-विमर्श हुआ। महाराष्ट्र के महामंत्री श्री वीरेन्द्रजी धोका (जालना) से भी दोनों ने फोन पर चर्चा की।

श्री बंग ने श्री गाड़ोदिया जी का भावभीना स्वागत किया एवं महाराष्ट्र में संगठन को अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।

महाराष्ट्र सम्मेलन के अध्यक्ष का कोलकाता दौरा

महाराष्ट्र के पूर्व खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री, सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं वर्तमान में महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश चन्द गोपीकिशन बंग दो-दिवसीय प्रवास पर कोलकाता पधारे। इस दौरान उन्होंने सम्मेलन के डकबैक हाउस स्थित केन्द्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संजय हरलालका से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान देश की वर्तमान राजनैतिक स्थिति सहित महाराष्ट्र में सम्मेलन को मजबूत करने पर उन्होंने व्यापक बातचीत की। उन्होंने कहा कि फिलहाल जो स्थिति दिख रही है, उसमें अगली लोकसभा

में किसी भी दल को पूर्ण बहुमत मिलने के आसार नहीं हैं। राष्ट्रीय दलों की क्षेत्रीय दलों पर निर्भरता बढ़ेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ ने उनसे महाराष्ट्र में सम्मेलन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में त्वरित कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सम्मेलन विस्तार की काफी संभवनाएँ हैं, जरूरत सिर्फ प्रयास करने की है। शुरूआती तौर पर कम से कम १० जिलों में शाखाएँ खोलने पर चर्चा हुई। श्री बंग ने इस आग्रह का सम्मान करते हुए तुरन्त महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री वीरेन्द्र धोका से सम्पर्क किया और संगठन एवं सदस्यता पर जोर देने के लिए कहा। श्री बंग ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि वे स्वयं इस दिशा में कदम उठायेंगे।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री हरलालका ने धन्यवाद देते हुए श्री बंग से आग्रह किया है कि वे मुम्बई सहित महाराष्ट्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष का कम से कम तीन-दिवसीय दौरा तय करें ताकि इस दौरे से महाराष्ट्र सम्मेलन में एक नई जान फूँकी जा सके। श्री बंग ने इस प्रस्ताव पर अपनी स्वीकृति प्रदान की।

प्रेरक प्रसंग

बनें भगवान के दोस्त

एक बच्चा जला देने वाली गर्मी में नंगे पैर गुलदस्ते बेच रहा था। लोग उसमें भी भोलभाव कर रहे थे। एक सज्जन को उसके पैर देखकर बहुत दुःख हुआ, सज्जन ने बाज़ार से नया जूता खरीदा और उसे देते हुए कहा – "बेटा लो, ये जूता पहन लो"।

लड़के ने फ़ौरन जूते निकाले और पहन लिए। उसका चेहरा ख़ुशी से दमक उठा था। वो उस सज्जन की तरफ़ पल्टा और हाथ थाम कर पूछा, – "आप भगवान हैं?"

उसने घबरा कर हाथ छुड़ाया और कानों को हाथ लगा कर कहा, "नहीं बेटा, नहीं, मैं भगवान नहीं।"

लड़का फिर मुस्कराया और कहा, "तो फिर ज़रूर भगवान के दोस्त होंगे, क्योंकि मैंने कल रात भगवान से कहा था कि मुझे नए जूते दे दें!"

वो सज्जन मुस्कुरा दिया और उसके माथे को प्यार से चूमकर अपने घर की तरफ़ चल पड़ा।

अब वो सज्जन भी जान चुके थे कि भगवान का दोस्त होना कोई मुश्किल काम नहीं।

प्रकृति ने सिर्फ दो ही रास्ते दिए है... **"या तो देकर जायें या फिर छोड़कर जायें" – "साथ ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं"**

आत्मज्योति

आप महात्मा हैं, महर्षि हैं, आपकी वर्षगाँठ हम मनाना चाहते हैं, श्रद्धालु शिष्यों ने कहा। 'किसकी बर्षगाँठ, इस शरीर की, जो क्षणभंगुर है, जो मैं नहीं हूं। तुम लोग, हो सकता है, सात्विक वृत्ति से मनाओगे, पर, इससे मुझमें तो रजोगुण ही बढ़ेगा। आत्मा से दूर होकर क्या मैं मरूँगा नहीं! शरीर साधन है, इसको साध्य मत बनाओ! मुझे लगेगा — साल गया अमृत की एक बूँद यों ही ढुलक गई।'

जहाँ वर्षगाँठ के मोह में चेलों, प्रशंसकों, चाटुकारों के चक्कर में हमारे बेचारे नेता तो क्या, संत, महंत, श्रीमंत फंदे में फँसते हैं – वहाँ इस गाँठ को तोड़कर निर्ग्रिन्थ हो विचरण करने वाले पुण्यश्लोक यों थे – **"आत्मज्योति से ज्योतित महर्षि रमण।"**

आत्मश्लाघा से बचिये

राम रावण युद्ध का प्रसंग है। रावण जब डींग हाँकने लगा तो भगवान राम ने क्षमा माँगते हुए नीति-वचन कहे – 'व्यर्थ बकवास कर यश का नाश न करो। क्षमा करना, मैं नीति सुनाता हूँ। तीन तरह के पुरुष होते हैं, पहला गुलाब की तरह। गुलाब में फूल होते हैं, इसी प्रकार जो बकवास करते हैं। दूसरा होता है, आम की तरह। आम में फूल भी हैं और फल भी। इसी प्रकार वो कहता भी है तो करता भी। तीसरा होता है– कटहल की तरह। कटहल में फूल नहीं होते– फल होते हैं। इसी प्रकार जो कहता नहीं – केवल करता है।'

यानी रावण को राम ने समझाया गुलाब की तरह बनकर बकबक करना बंद करो। ऐसे लोग अधम होते हैं। मध्यम दर्जे के वे हैं जो कहते हैं, पर करते भी हैं। उत्तम वे है – जो कहते नहीं, करके दिखाते हैं – **'जनि जल्पना करि सुजसु नासहि....'।**

अपने यश का बढ़ा चढ़ाकर वर्णन करना अपने यश को नष्ट करना है। महाभारत में भगवान कृष्ण का संदेश है– 'आत्मश्लाघा आत्महत्या है।' आत्मश्लाघा – अपने मुँह मियां मिट्ठू बनना। यही तो मौत है।

(वैचारिकी से साभार)

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियाँ दिसम्बर २०१८ – जनवरी २०१९

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत २२ दिसम्बर २०१८, को परिवार मिलन समारोह सह प्रादेशिक सभा का आयोजन राजगीर के वीरायतन में किया गया। प्रादेशिक कार्यकारिणी एवं सभा की बैठक प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री बिनोद तोदी** की अध्यक्षता में हुई। प्रादेशिक अध्यक्ष ने वर्ष भर में किये गये विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए सभी सदस्यों का सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया। आपके द्वारा सदस्यता–विस्तार के माध्यम से संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए भी सभी शाखाओं एवं पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया गया।

श्री तोदी जी ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेकों योजनाएँ चलायी जा रही है। साथ ही भविष्य में रोजगार एवं चिकित्सा सहायता योजना शीघ्र शुरु करने की उन्होंने घोषणा की।

बैठक में **आचार्यश्री चंदना जी महाराज** ने अपना आशीर्वचन देते हुए कहा कि मारवाड़ी समाज द्वारा सदैव जरूरतमंदों एवं पीड़ितों की सेवा की जाती है। जब भी कोई विपदा की स्थिति उत्पन्न हुई है, तो समाज ने आगे बढ़कर सेवा के कार्य किये है। प्रांत की ओर से माताजी को पुष्पगुच्छ एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रांत द्वारा घोषित विभिन्न पुरस्कार श्रद्धेय आचार्यश्री चंदना जी महाराज के कर-कमलों से शाखाओं एवं पदाधिकारियों को प्रदान किया गया, जो निम्नवत हैं :

सदस्यता विस्तार में विशिष्ठ सहयोग हेतु : डेहरी ऑन सोन, भागलपुर, सहरसा, खगड़िया, बेगूसराय, दरभंगा, हसनपुर, रक्सौल, रोसड़ा, गणपतगंज, बरौनी, बक्सर, कहलगाँव, कटिहार, पूर्णिया, सालमारी, पटना, सिमराही एवं त्रिवेणीगंज शाखाओं को।

सर्वश्रेष्ठ शाखाध्यक्ष	: श्री पवन झुनझुनवाला, डेहरी ऑन सोन
सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष	: श्री नीरज खेड़िया, दरभंगा
सर्वश्रेष्ठ प्रमंडलीय उपाध्यक्ष	: श्री अमर दहलान, सहरसा
सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय मंत्री	: श्री राजेश तोदी, सहरसा
सर्वश्रेष्ठ प्रमंडलीय मंत्री	: श्री विनोद अग्रवाल, गणपतगंज
सदस्यता विस्तार में विशेष सहयोग	: श्री मुकेश जैन, बेगूसराय

श्रेष्ठ कार्यक्रम संयोजक

ये देश है मेरा : समूह नृत्य प्रतियोगिता : श्री राजेश बजाज एवं श्रीमती अर्चना जैन (पटना)

प्रतिभा सम्मान समारोह : श्री महावीर प्रदास बिदासरिया (पटना), श्री अशोक भिवानीवाला (भागलपुर), श्रीमती राधा केजड़ीवाल (मुजफ्फरपुर) एवं श्री नीरज खेड़िया (दरभंगा)।

समाज रत्न सम्मान समारोह : श्री अरूण रुँगटा (पटना)।

स्वास्थ्य जाँच शिविर : श्री अंजनी सुरेका (पटना)।

विशिष्ट शाखा कार्यक्रम

राणी सती नवमी मंगलपाठ, होली मिलन एवं दीपावली उत्सव	: डेहरी ऑन सोन
अग्रसेन जयन्ती	: पुपरी
श्रीश्याम महोत्सव	: पूर्णियाँ
मंथन २०१८ : प्रादेशिक अधिवेशन बेगूसराय	
श्रीश्याम महोत्सव	: पूर्णियाँ
गणगौर महोत्सव	: भागलपुर
दीपावली मिलन समारोह	: पटना सिटी
पधारो म्हारे देस	: पटना
स्थाई चिकित्सा केन्द्र	: दरभंगा
राणी सती उत्सव	: सूर्यगढ़ा
नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर	: रक्सौल
पितृपक्ष मेला में जन सुविधा	: गया

महाराजा अग्रसेन पथ के नामकरण हेतु, श्री संजय केजड़ीवाल (मुजफ्फरपुर)।

महामंत्री **श्री महेश जालान** द्वारा गत कार्यकारिणी समिति की बैठक की कार्यवाही प्रस्तुत की गई, जिसे ध्वनि मत से स्वीकृत किया गया। तत्पश्चात् महामंत्री ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर सदस्यों ने चर्चा करते हुए खुशी एवं संतोष व्यक्त करते हुए प्रतिवेदन को पारित किया।

कोषाध्यक्ष श्री अभिषेक लोहिया की अनुपस्थिति में महामंत्री द्वारा वर्ष २०१७-२०१८ एवं ०१.०४.२०१८ से ३०.११.२०१८ तक का लेखा प्रस्तुत किया गया, जिसे सदन ने करतल ध्वनि से स्वीकृति प्रदान की।

प्रादेशिक महामंत्री द्वारा कार्यकारिणी समिति द्वारा पारित संविधान संशोधन प्रस्तावों को सदन के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे चर्चा के उपरांत सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

खुला सत्र में बोलते हुए **श्री प्रेम कुमार मेंगोतिया** (बेगूसराय) ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं डी.जी.पी. का इमेल आईडी सभी शाखाओं को भेजा जाना चाहिए ताकि राज्य में घट रही घटनाओं का विरोध संगठित रूप से किया जा सके।

स्व. गुंजन खेमका एवं अन्य व्यवसायियों की हुए हत्या की निन्दा करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात् प्रादेशिक अध्यक्ष द्वारा बैठक समाप्ति की घोषणा की गई।

दिनांक २२ एवं २३ दिसम्बर २०१६ को राजगीर के वीरायतन में परिवार मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ३५ से अधिक शाखाओं के ५०० से अधिक सदस्यों एवं उनके परिवारों ने भाग लिया। कार्यक्रम पूर्णतः राजस्थानी माहौल में सम्पादित हुआ। इस कार्यक्रम में टैंटू, नेल आर्ट, हस्तरेखा विशेषज्ञ, तोंता भाग्य, डब्बा गेम, वैलून सूटींग, हवा हवाई, मिठाई, चना-चूर, सेल्फी जोन के साथ-साथ राजस्थानी नृत्य संगीत महिलाओं एवं बच्चों के लिए गेम, हौजी जैसे अनेकों कार्यक्रम हुए, जिसका उपस्थित समाजबन्धुओं ने भरपूर आनन्द

उठाया। कार्यक्रम को आयोजित करने में ल्युमिनस कम्पनी एवं श्री विष्णु पंसारी जी का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

कैन्डल मार्च का आयोजन

पिछले दिनों पटना के प्रसिद्ध व्यवसायी गुंजन खेमका की निर्मम हत्या और उसके बाद लगातार दरभंगा, सिवान एवं मुजफ्फरपुर में व्यापारियों, बिल्डरों और ठेकेदारों का कल्लेआम इस बात का गवाह है कि बिहार में अपराध का ग्राफ लगातार तेजी से बढ़ रहा है। उद्योग, व्यवसाय एवं कारोवार से जुड़े लोग अपनी जान-माल की रक्षा के लिए चिंतित है। आम आदमी खुद को पूर्णतः असुरक्षित महसूस कर रहा है। बिहार में काफी मेहनत करके एक अरसे के बाद निवेश और उद्योग की दृष्टि कोण से एक सकारात्मक वातावरण बना था जो अब ध्वस्त होता दिखाई दे रहा है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में राज्य के ४० से अधिक सामाजिक/व्यवसायिक संगठनों द्वारा २४ दिसम्बर २०१८ को संध्या ५.०० बजे एक कैन्डल मार्च का आयोजन पटना में किया गया जो जे. पी. गोलम्बर से डाक बंगला चौराहा तक गया। इस मार्च में पाँच हजार से अधिक पुरुषों एवं महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रादेशिक अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी एवं महामंत्री श्री महेश जालान ने कहा कि आज का यह कैन्डल मार्च सांकेतिक विरोध-स्वरूप सरकार का ध्यान व्यापारियों एवं आम जनता की समस्याओं की ओर खींचने के लिए आयोजित है।

इस अवसर पर सरकार से निम्नलिखित माँग की गई–

१ अपराधियों की गिरफ्तारी तुरंत हो।

२ फास्ट ट्रेक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कड़ी से कड़ी सजा दिलायी जाये।

३ विभिन्न औद्योगिक, व्यवसायिक एवं घनी आबादी बाले क्षेत्रों में पुलिस पिकेट एवं रात्रि गश्ती की व्यवस्था की जाये।

४ आम आवाम में पुलिस और प्रशासन के प्रति विश्वास पैदा करने और राज्य में अमन-चैन कायम करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएँ।

गणतंत्र दिवस :– २६ जनवरी २०१९ को सम्मेलन भवन के नीचे प्रादेशिक अध्यक्ष द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। साथ ही, प्रांत की अन्य शाखाओं द्वारा भी झंडोत्तोलन एवं विभिन्न कार्यक्रमों के समाचार प्राप्त हुए हैं।

शहीदों की विधवाओं का सम्मान

'शहीदों की चिताओं पर......' इन्ही पंक्तियों से प्रेरित होकर बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिनांक २७ जनवरी २०१९, को बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स में "शहीदों को सलाम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें देशभक्ति से परिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अतिरिक्त बिहार के पच्चीस शहीदों की विधवाओं को आर्थिक सहायता और सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए केन्द्रीय कानून एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री **श्री रवि शंकर प्रसाद** ने मारवाड़ी समाज के इस जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि देश के हर नागरिक को यथाशक्ति शहीदों को सम्मान देना चाहिए और दिवंगत शहीदों के परिवारों की हर संभव सहायता करनी चाहिए। इस अवसर पर आपने केन्द्र सरकार द्वारा जनता एवं सैनिकों के लिए चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मेजर जनरल **श्री एम. के. मुखर्जी**, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, झारखंड एवं बिहार सब एरिया ने शहीदों को नमन करते हुए शहीदों के परिवारों के बीच प्रति आम जनता को संवेदनशील बने रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिये शहीद होने वाले सैनिकों के परिवारों के प्रति भी हर नागरिक का कर्त्तव्य बनता है कि उनके परिजनों की शिक्षा और सुरक्षा के लिए मदद करें। साथ ही आपने कहा कि हमारी सेना, आज बहुत सशक्त है तथा देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहती है। जब भी देश के किसी कोने में काई विपत्ति एवं किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होती है, तो सेना के जवान सदैव इसके लिए तैयार सहते हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में **श्री विमल जैन** ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन हमेशा समाज व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वाह करता है और आज का यह कार्यक्रम भी उसी की एक कड़ी है।

कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए प्रादेशिक अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने कहा कि आज यहाँ बिहार के दरभंगा, मोतिहारी, समस्तीपुर, मधुबनी, मुंगेर, भागलपुर सासाराम, पटना आदि अनेक जिलों से सैनिकों की विधवाएँ या उनके पिता यहाँ पर है, जिनके पति या बेटे कश्मीर, सियाचिन, मणिपुर, कारगिल या नक्सली हमलों आदि में देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए है। उन्होंने आगे बताया कि समाज के सहयोग से प्रत्येक शहीद के परिवार को इक्कीस हजार रुपये की राशि, सम्मान पत्र और अंगवस्त्र प्रदान किया गया। आपने मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित स्थाई प्याऊ, रक्तदान, अंगदान कार्यक्रम, कृत्रिम अंग प्रदान करना जैसे अनेको कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी।

पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी** ने सम्मेलन की गतिविधियों एवं समाज की जागरूकता के बारे में बताते हुए समाज के लोगों को और अधिक बढ़-चढ़कर सामाजिक कार्यो में आगे आने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं समाज के बच्चों एवं महिलाओं के द्वारा देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री श्री महेश जालान ने किया।

सम्मेलन संवाद – सम्मेलन सम्वाद का अक्टूबर-दिसम्बर २०१८ का अंक प्रकाशित हो चुका है तथा सदस्यों को भेज दिया गया है।

शाखा गतिविधियाँ :–

डेहरी शाखा द्वारा प्रत्येक माह राणी सती नवमी मंगलपाठ का भव्य आयोजन किया जाता है।

पाटना नगर शाखा द्वारा दिनांक १३ जनवरी २०१९ को न्यू पट ना क्लब के प्रांगण में 'पधारो म्हारे देस' कार्यक्रम, २० जनवरी २०१९ को नेत्रजाँच एवं मोतियाबिन्द निःशुल्क ऑपरेशन कराया गया।

शाखा खुनाव – नवगछिया

अध्यक्ष – श्री दिनेश कु. सर्राफ, अरविंद दास, ठाकुरवाड़ी, नवगछिया, जिला–भागलपुर, ८५३२०४ मो. - ९९३४४४३७५१

सचिव – श्री विनोद केजड़ीवाल, के. भी. एजेन्सी, बिकानेर केविन लेन, गौशाला रोड, नवगछिया, जि.–भागलपुर ९८३५२८०९२५

दौरा – श्री नीरज खेड़िया द्वारा–कमतौल, विथान, समस्तीपुर, घोघरडीहा, दलसिंहसराय एवं श्री विनोद अग्रवाल, डा. विश्वनाथ सर्राफ द्वारा प्रतापगंज, राधोपुर, सिमराही, सुपौल का दौरा किया गया।

प्रथम महिला संतूरवादिका - डॉ. वर्षा अग्रवाल

– रक्षा सिंह

संतूर की प्रथम महला कलाकार डॉ. वर्षा अग्रवाल कश्मीर की सूफियाना परम्परा से जुड़ी हुई हैं। संतूर वादन की उच्च स्तरीय विधिवत् शिक्षा कश्मीर के सूफियाना परम्परा के प्रतिनिधि, विश्वविख्यात संतूर वादक और संगीत संरचनाकार पं. भजन सोपोरी से प्राप्त की है। लेकिन वर्षा कहती हैं – 'मैं अभी भी सीख रही हूँ....और जीवन भर सीखते रहना चाहती हूँ।' वर्षा स्वयं भी अनेक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां दे चुकी हैं।

संतूर बजाने के पूर्व वर्षा ने ६ वर्ष की उम्र से गाना और तबला सीखना शुरू किया था। इनके गुरु थे श्री इलाही बख्श (झालावाड़) और श्री गिरधारी लाल डांगी (अजमेर)। इसके बाद इन्हें उज्जैन के पंडित ललित महन्त का सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलना आरम्भ हुआ। पंडित ललित महंत तबला सम्राट, पद्मविभूषण पं. किशन महाराज के वरिष्ठ शिष्य होने के नाते सुयोग्य ताबलिक तो हैं ही, कला, साहित्य, ज्योतिष, धर्म और आध्यात्म पर भी गहरी पकड़ रखते हैं। महन्तजी ने वर्षा का सूंतर से प्रथम परिचय कराया। वर्षा कहती हैं कि महन्तजी से जुड़ने के बाद ही शौकिया सीखने वाले संगीत को मैंने साधना और आराधना के रूप में अपनाया। उन्होंने ही मुझे वे आँखे दीं जिससे संगीत को मनोरंजन के रूप में देखने वाली मैं संगीत की पूजा करने लगी। किसी के जीवन में गुरु का क्या महत्व होता है – इसे महन्तजी से जुड़ने के बाद ही समझ पाई। मुझे ज्ञान के उजाले में लाने वाले पं. ललित महन्त ही हैं।

वर्षा अपनी बात आगे बढ़ाती हुई कहती हैं — चूंकि मेरा मन सूंतर के तार के साथ जुड़ चुका था और इस क्षेत्र में कोई महिला कलाकार नहीं थी, इसलिए मैंने इस क्षेत्र में आने की चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया। सूंतर एक कठिन साज भी है। इसके सौ तारों को मिलाना और गायकी तथा तंत्रकारी, दोनों अंगों का वादन इस पर करना अत्यन्त कठिन होता है। इसलिए, आज भी इस क्षेत्र में बहुत कम कलाकार हैं – चाहे महिला हो या पुरुष। अतः मैंने संतूर बजाने का ही निर्णय लिया। और जब एक बार संतूर बजाने का निश्चय कर लिया तो दूसरा निश्चय स्वतः ही हो गया – संतूर के संत, तंत्रीसम्राट पंडित भजन सोपोरी के श्री चरणों में बैठकर संतूर सीखने का। और, यह मेरा सौभाग्य है कि पं. भजन सोपोरी ने मुझे अपनी शिष्या के रूप में स्वीकार कर लिया। मैं उनकी गंडाबंध शिष्टा हूँ।

देश की प्रथम महिला संतूरवादिका डॉ. वर्षा अग्रवाल आकाशवाणी और दूरदर्शन की प्रथम श्रेणी की अनुमोदित कलाकार हैं। भारत सरकार के सौजन्य से भी और दूसरी संस्थाओं के निमंत्रण पर भी ये देश-विदेश के अनेक कार्यक्रमों में भाग ले चुकी हैं। आकाशवाणी और दूरदर्शन पर प्रसारित इनके अखिल भारतीय कार्यक्रमों को देशव्यापी सराहना मिली है। वर्षा पहली संतूरवादिका हैं जिनका वादन आकाशवाणी के राष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रसारित हुआ है।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् की अनुमोदित संगीतकार वर्षा ने गायन में संगीत भूषण और संगीत प्रभाकर, तबला में संगीत अलंकार और गायन में स्नातकोत्तर की परीक्षायें प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की हैं। वरीयता सूची में अपना स्थान बनाते हुए 'हड़ौती की लोक गाथाओं की गायन परम्परा' विषय पर वर्षा ने अपना शोध कार्य किया है। उज्जैन की राजकीय महिला स्नातकोतर महाविद्यालय में प्राध्यापिका पद पर कार्य कर रही डॉ. वर्षा के अनेक शोध आलेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्राकशित हो चुके हैं। अपने शोधपूर्ण व्याख्याओं के लिए वे विभिन्न परिसंवादों में लगातार आमंत्रित की जाती हैं। इनके मार्गदर्शन में कई संगीतार्थी अपना संगीत विषयक शोध कार्य कर रहे हैं।

डॉ. वर्षा अग्रवाल को उनके महत्वपूर्ण सांगीतिक योगदानों के लिए मध्यप्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल बलराम जाखड़जी ने राज भवन में सम्मानित किया था। १९९८ में हैदराबाद में उन्हें हरिओम ट्रस्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा रिसर्च लिंक अवार्ड, कला विदुषी सम्मान, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम राष्ट्रीय सम्मान, अवंतिका सरिता सम्मान, नेशनल वुमेन एक्सीलेंस अवार्ड, नाद (एन.ए.डी.) रत्न सम्मान, सखि एचीवमेंट सम्मान, सम्राट विक्रमादित्य सम्मान, डागर घराना सम्मान, वैश्य रत्न सम्मान, वुमेन ऑफ दईयर, संगीत परम्परा रत्न और अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस जैसे कई मान-सम्मान मिल चुके हैं। पिछले ही दिनों महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने इन्हें प्रथम महिला सम्मान से सम्मानित किया है जो इन्हें देश की प्रथम महिला संतूरवादिका होने के उपलक्ष्य में मिला है।

यह पूछने पर कि महामहिम राष्ट्रपतिजी के करकमलों से सम्मानित होने का अनुभव कैसा रहा? वर्षा कहती हैं, यह सम्मान मेरे लिये दो कारणों से यादगार बन गया है – एक तो प्रथम महिला संतूरवादिका के रूप में सम्मानित होना और दूसरे देश के प्रथम नागरिक के हाथों सम्मानित होना।'

मैं कहती हूँ, 'देश की प्रथम महिला संतूरवादिका को देश के प्रथम नागरिक ने सम्मानित किया।' वर्षा हँसते हुए कहती हैं, '२०१६ में राष्ट्रपति कलाम के नाम पर सम्मान मिला था, और २०१८ का आरम्भ प्रथम महिला सम्मान राष्ट्रपतिजी के हाथों प्राप्त करने से हुआ। यह शुभ संकेत है।'

मैं वर्षा को कुरेदती हूँ, 'यह शुभ संकेत क्या इस ओर भी है कि केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी सम्मान और पद्म अलंकरण की ओर आपके कदम बढ़ चले हैं?' प्रो. वर्षा अग्रवाल ठठाकर हँस पड़ती हैं, फिर कहती हैं, 'सितारों से आगे जहां और भी है, अभी इश्क के इम्तहां और भी हैं'। ***('स्वर सरिता' से साभार)***

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

शांतिनिकेतन में हिन्दी भवन की स्थापना में मारवाड़ियों का योगदान

– श्री रमेश पसारी

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की कल्पना की साकार प्रतिमूर्ति शांतिनिकेतन में 'हिन्दी भवन' की स्थापना का इतिहास इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण उपलब्ध कराता है कि यद्यपि 'हिन्दी भवन' की योजना हिन्दी के प्रसिद्ध पत्रकार और साहित्यकार स्वर्गीय बनारसीदास चतुर्वेदी के दिमाग की उपज थी, परन्तु उनकी इस महत्वाकांक्षी योजना को कार्यरूप में परिणत करने का माध्यम बनने का सौभाग्य कलकत्ता के कतिपय मारवाड़ी बन्धुओं को प्राप्त है।

शांतिनिकेतन में हिन्दी भवन की स्थापना की योजना के बारे में बताते हुए पण्डित बनारसीदास चतुर्बेदी ने लिखा है "वर्षा ऋतु के बाद शांतिनिकेतन में सूर्यास्त बड़ा मनोहर होता है। एक दिन संध्या समय में बन्धुवर हजारीप्रसादजी द्विवेदी के साथ रैड रोड (मुरम पड़ी हुई लाल सड़क) पर टहलने गया हुआ था। द्विवेदीजी बड़े अच्छे संभाषणकर्त्ता हैं। उनके साथ बातचीत करने में सदैव आनन्द आता है। रास्ते भर हमलोग खूब हँसते-हँसाते रहे। जब हम दोनों 'पान्थ निवास' पर लौटे तो मैंने मजाक ही मजाक में कहा — "यहाँ हिन्दी भवन बनेगा" और आश्चर्य की बात यह है कि तीन वर्ष के भीतर ही शांतिनिकेतन में बत्तीस हजार की लागत का भवन बनकर तैयार हो गया, जिसकी नींव दीनबन्धु एण्ड्रयूज ने रखी थी और जिसका उद्घाटन पंडित जवाहरलालजी ने किया था।

इसी प्रकार शांतिनिकेतन में 'हिन्दी भवन' के श्रीगणेश की कथा भी आश्चर्यजनक है। श्री सीतारामजी सेकसरिया के अनुरोध पर पंडित चतुर्वेदी जी 'मारवाड़ी वालिका विद्यालय' के पुस्तकालय के उद्घाटन के लिये पहुँचे और अपने संबोधन में उपस्थित छात्राओं से कहा — "यहाँ से ६६ मील दूरी पर विश्व के महान कवि रहते हैं और आपने उनके दर्शन भी नहीं किये, यह कैसे आश्चर्य की बात है।" सेकसरिया जी के अनुरोध पर चतुर्वेदी जी को ही लड़कियों के साथ उन्हें गुरुदेव के दर्शन कराने बोलपुर जाना पड़ा। साथ में सेकसरिया जी भी गये।

गुरुदेव चाहते थे कि वे सेकसरिया जी से छात्राओं के बोडिंग हाउस में एक नवीन कक्ष का निर्माण कराने को कहें। परन्तु जब पण्डित चतुर्वेदी ने कहा कि वे 'हिन्दी भवन' के लिये क्षेत्र तैयार कर रहे हैं तो गुरुदेव मान गये। मारवाड़ी वालिका विद्यालय की छात्राओं के समझ उस समय गुरुदेव ने जो भाषण दिया, वह अत्यन्त ही मार्मिक था। गुरुदेव ने कहा, "हम पुरुष लोग आपस में खूब लड़ते-झगड़ते हैं। यह काम स्त्रियों का ही है कि वे आपस में मेलजोल कायम करें। बड़ी होने पर आप हिन्दी भाषा-भाषियों और बंगालियों में एकता कायम कर सकती हैं। मैंने जो शांतिनिकेतन कायम किया है, उसका एकमात्र उद्देश्य यही है कि भारत की भिन्न-भिन्न भाषाओं के बोलने बाले पारस्परिक सद्भावना के साथ यहाँ रहें। इसी उद्देश्य से मैंने विदेशियों को भी यहाँ निमन्त्रित किया है। पर मैं तो अब बुड्ढा हो चला और अधिक वर्ष जीवित नहीं रह सकता। स्वभावतः मेरे हृदय में अपनी इस संस्था की चिन्ता है। इसकी आर्थिक जिम्मेदारियाँ मैं सम्भाल नहीं पाता। एक बार मेरी चिन्ता को जानकर पंडित मालवीयजी ने मुझसे पूछा था — "कितना पैसा इकट्ठा हो जाने पर आप भारमुक्त हो जायेंगे?" मैंने निवेदन किया कि "चार-पाँच लाख रुपये पर्याप्त होंगे।" पर यह बात जहाँ की तहाँ पड़ी रह गई और पण्डित मालवीयजी कुछ कर नहीं सके।

इस करुणोत्पादक भाषण से प्रभावित होकर सीतारामजी सेकसरिया ने उसी समय गुरुदैव को हिन्दी भवन के लिये पाँच सौ रुपये अर्पित किये। गुरुदेव ने सधन्यवाद उस दान को स्वीकार किया और कहा कि पर्याप्त सहायता मिलने पर हिन्दी भवन की स्थापना अवश्य हो जायेगी।

श्री सेकसरियाजी के उस प्रथम दान से ही हिन्दी भवन की नींव पड़ीं, परंतु शांतिनिकेतन की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण कालान्तर में यह राशि हिन्दी शिक्षक के वेतन पर खर्च कर दी गई। पंडित वनारसीदास चतुर्वेदी को इस समाचार से हार्दिक खेद हुआ, फिर भी उन्होंने अपना प्रयत्न जारी रखा।

'हिन्दी भवन' हेतु सहायता प्राप्त करने के लिये चतुर्वेदी जी ने दीनबन्धु एन्ड्रयूज की कलकत्ता यात्रा का कार्यक्रम बनाया। श्री एन्ड्रयूज के ठहरने का प्रबन्ध खेतान बन्धुओं के यहाँ किया गया। सर्वप्रथम पंडित चतुर्वेदी उन्हें श्री भागीरथजी कानोड़िया के पास ले गये। श्री कानोड़िया जी को हिन्दी भवन की योजना के बारे में बताते हुए चतुर्वेदी जी ने कहा, "उसमें दो हजार रुपये खर्च होंगे, जिसमें एक हजार आपके जिम्मे रखे गये हैं।" कानोड़िया जी ने उसी समय कहा "दो हजार में पाँच सौ ही मेरे नाम रखिये।" साथ ही आपने कहा "शांतिनिकेतन के हिन्दी भवन के लिये जो मुझसे बन पड़ेगा, करूँगा।" श्री चतुर्वेदी दीनबन्धु को लेकर श्री सीताराम सेकसरिया से भी मिले और उन लोगों को पुनः दो सौ रुपये की सहायता श्री सेकसरिया जी की ओर से प्राप्त हुई। इसी संदर्भ में चतुर्वेदी जी ने बिड़ला बन्धुओं व रायवहादुर रामदेव चोखानी से भी श्री एण्ड्रयूज की मुलाकात करवायी। दीनबन्धु की इस यात्रा से 'हिन्दी भवन' के लिये क्षेत्र तैयार हुआ यद्यपि उस समय सहायता कुल जमा नौ सौ रुपये की ही मिली थीं।

परन्तु, नियति की इच्छा कुछ और ही थी तथा इस बार भी दीनबन्धु द्वारा एकत्र किये गये नौ सौ रुपये हिन्दी शिक्षक

के वेतन पर खर्च कर दिये गये। 'हिन्दी भवन' की कल्पना को साकार रूप तभी मिल सका जब श्री भागीरथ कानोड़िया ने अपने प्रयासों से 'हलवासिया ट्रस्ट' से तीस-पैंतीस हजार रुपये दिलवाकर शांति निकेतन में 'हिन्दी भवन' बनवा दिया। श्री चतुर्वेदी जी के अनुसार "यदि उस रकम को जोड़ा जाय जो हिन्दी भाषा-भाषियों के 'हिन्दी भवन' के लिये शांतिनिकेतन को मिली तो वह एक लाख रुपये से कम नहीं होगी।"

शांतिनिकेतन में 'हिन्दी भवन' की स्थापना का इतिहास इस बात का गवाह है कि अगर उस समय भागीरथ जी कानोड़िया तथा अन्य दानवीर मारवाड़ी सज्जनों का सहयोग प्राप्त नहीं होता तो शायद ही पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी की यह कल्पना मूर्तिमान हो पाती। परन्तु श्री चतुर्वेदी जी के अनुसार "विश्वभारती के वर्तमान संचालकों को 'हिन्दी भवन' की स्थापना के इतिहास का पता भी नहीं। कभी जानने की जरूरत भी उन्होंने नहीं समझी।"

इस संदर्भ में पंडित चतुर्वेदी का यह उल्लेख भी विशेष ध्यान देने योग्य है–"शांतिनिकेतन के एक मुख्य अधिकारी ने, जो भारत सरकार में भी कुछ वर्ष रहे थे, एक बार कहा था – 'हिन्दी भवन मारवाड़ियों ने इसी उद्देश्य से बनाया है कि वे सप्ताह के आखिरी दिन हिन्दी भवन में बिता सकें।' जहाँ तक मैं जानता हूँ कोई भी मारवाड़ी वहाँ इस उद्देश्य से नहीं गया।" जब आचार्य क्षितिमोहन सेन ने यह सुना तो उन्होंने स्नेहपूर्वक सिर्फ इतना ही कहा था कि **'ये निघ्नन्ति निरर्थक परहितं ते के न जानी महे।'**

(समाज विकास के नवम्बर १९८७ अंक से)

स्वास्थ्य

आयुर्वेद के दोहे

दही मथे माखन मिले, केसर संग मिलाय,
होठों पर लेपित करें, रंग गुलाबी आय।

बहती यदि जो नाक हो, बहुत बुरा हो हाल,
यूकेलिप्टिस तेल लें, सूंघें डाल रुमाल।

अजवाइन को पीसिये, गाढ़ा लेप लगाय,
चर्म रोग सब दूर हो, तन कंचन बन जाय।

अजवाइन को पीस लें, नीबू संग मिलाय,
फोड़ा-फुंसी दूर हों, सभीबला टल जाय।

अजवाइन-गुड़ खाइए, तभी बने कुछ काम,
पित्त रोग में लाभ हो, पायेंगे आराम।

ठण्ड लगे जब आपको, सर्दी से बेहाल,
नीबू मधु के साथ में, अदरक पियें उबाल।

अदरक का रस लीजिए, मधु लेवें समभाग,
नियमित सेवन जब करें, सर्दी जाए भाग।

रोटी मक्के की भली, खा लें यदि भरपूर,
बेहतर लीवर आपका, टी.बी. भी हो दूर।

गाजर रस संग आँवला, बीस औ चालिस ग्राम,
रक्तचाप हिरदय सही, पायें सब आराम।

शहद आंवला जूस हो, मिश्री सब दस ग्राम,
बीस ग्राम घी साथ में, यौवन स्थिर काम।

चिंतित होता क्यों भला, देख बुढ़ापा रोय,
चौलाई पालक भली, यौवन स्थिर होय।

लाल टमाटर लीजिए, खीरा सहित सनेह,
जूस करेला साथ हो, दूर रहे मधुमेह।

प्रात; संध्या पीजिए, खाली पेट सनेह,
जामुन-गुठली पीसिये, नहीं रहे मधुमेह।

सात पत्र लें नीम के, खाली पेट चबाय,
दूर करे मधुमेह को, सब कुछ मन को भाय।

सात फूल ले लीजिए, सुन्दर सदाबहार,
दूर करे मधुमेह को, जीवन में हो प्यार।

तुलसीदल दस लीजिए, उठकर प्रातःकाल,
सेहत सुधरे आपकी, तन-मन मालामाल।

थोड़ा सा गुड़ लीजिए, दूर रहें सब रोग,
अधिक कभी मत खाइए, चाहे मोहनभोग।

अजवाइन और हींग लें, लहसुन तेल पकाय,
मालिश जोड़ों की करें, दर्द दूर हो जाय।

ऐलोवेरा-आँवला, करे खून में वृद्धि,
उदर व्याधियाँ दूर हों, जीवन में हो सिद्धि।

दस्त अगर आने लगें, चिंतित दीखे माथ,
दालचीनि का पाउडर, लें पानी के साथ।

मुँह में बदबू हो अगर, दालचीनि मुख डाल,
बने सुगन्धित मुख, महक, दूर होय तत्काल।

कंचन काया को कभी, पित्त अगर दे कष्ट,
धृतकुमारि संग आँवला, करे उसे भी नष्ट।

बीस मिली रस आँवला, पांच ग्राम मधु संग,
सुबह शाम में पाटिये, बढ़े ज्योति सब दंग।

बीस मिली रस आँवला, हल्दी हो एक ग्राम,
सर्दी कफ तकलीफ में, फ़ौरन हो आराम।

नीबू बेसन जल शहद, मिश्रित लेप लगाय,
चेहरा सुन्दर तब बने, बेहतर यही उपाय।

मधु का सेवन जो करे, सुख पावेगा सोय,
कंठ सुरीला साथ में, वाणी मधुरिम होय।

पीता थोड़ी छाछ जो, भोजन करके रोज,
नहीं जरूरत वैद्य की, चेहरे पर हो ओज।

ठण्ड अगर लग जाय जो नहीं बने कुछ काम,
नियमित पी लें गुनगुना, पानी दे आराम।

कफ से पीड़ित हो अगर, खाँसी बहुत सताय,
अजवाइन की भाप लें, कफ तब बाहर आय।

अजवाइन लें छाछ संग, मात्रा पाँच गिराम,
कीट पेट के नष्ट हों, जल्दी हो आराम।

छाछ हींग सेंधा नमक, दूर करे सब रोग,
जीरा उसमें डालकर, पियें सदा यह भोग।

Gain traction
towards the future
PUNCTURE GUARD
MAXI GRIP
For further details regarding Puncture Guard
and Maxi Grip contact our neartest branch
HARTEX
XTRA POWER
Product featured: HARTEX XTRA Power.
A journey that started fifty four years ago is today a legacy called HARTEX.
Setting standards in the domestic market, HARTEX has established itself
internationally for its superior quality and reliability. In fact, the many
milestones HARTEX has achieved, including products, are customer focused.
So, come join the journey of success.
HARTEX
Hartex Rubber Private Limited, 8-2-472, Road No. 1, Banjara Hills,
GVC Square, 4th floor, Hyderabad 500034, India. Ph +91 40 32900866, 32930866
www.hartex.in
SUREKA

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:

Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:

Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:

Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:

6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:

Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully
Anmol™
celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

With Best Compliments From:

KDJ FOUNDATION

5, Clive Row, 3rd Floor, Room No. 65

Kolkata-700 001

Phone : 2210 6617, Fax: 2210 7562

KDJ FOUNDATION

Jhunjhunwala Niket

6D, Short Street, Kolkata-700 016

Email: sales@sjplaza.net

राजस्थानी कवितावां

ऊमर रा धोरिया

– डॉ. नीरज दइया

(१)
टावर खुद रै मूढै
मांडै मूंछ्यां
करै कोड
फदाकणा चाचै-
ऊमर रा धोरिया।

(२)
लागै सगळा नैं
घणो ब्हालो
रूपाळो हुवणो
बैन थथेड़ै पोडर,
कोई कोनी पोतै-
काळख।

(३)
धोळै केसां माथै
लगावै खिजाब
बड़ोडा भाइसा
देखै- मूछां
कठैई रैय नीं जावै-
चांदी।

(४)
कुण चढणो चावै
बूढ़ापै मांय घाटी
एक औसथा पछै-
ना चढनो सोखो
ना उरणो
थमणो ई ओखो....

(५)
हाथ मांय हुवै
ऊमर री रेखा
पण
हाथ मांय
हुवै कोनी-
ऊमर!

(६)
ऊमर रा धोरिया
लंघता-लंघता
जाणै जूण रमै
कोई रम्मत
मिल सकै कदैई
थांनैं-म्हांनैं
का उणनैं-
खो!

(७)
आभै मांय-
आवै सूरज
आवै चांद
आवै नौलख तारा
अर
नित गुड़कता दीसै...

(८)
जूण रो
जूगा जूनो साच-
ऊगै जिको आथमै
रंग है थनैं-
सूरज नैं आथमता देख्यां ई
कोनी बापरै चेत!

(९)
लीर-लीर हुयां पछै ई
कारी-कुरपी
कीं जाचो जचा सकै...
आधो का चौथाई
भरियां ई पेट
कीं धाको धिक सकै...
पण जद सांस सांस नैं
देवण लागै धोखो
कोई पण जूण
धोरिया मांय धस जावै

(१०)
'थूं कैवतीं ही नीं'
'कांई कैवतीं ही'
'थनै याद कोनी'
'कै कैवण-सुणण रो कांई,
कोई टैम हुवै...'
'वा इण मांय
टेम कांई
अर बेटेम कांई'
'कूड़ी-साची करता-करता
कटगी घणखरी तो जूण'
'बाकी री कट जासी'
'इसो कुण है
जिको ऊमर रै धोरिया
चढण सूं टट जासी?

(११)
ऊमर रा धोरिया
जद ढळ जावै
मोरिया नाचै कोनी
हम्बै, मोरिया
अर कोनी नाचै!
आ कदैई हुया करै के!

(डॉ. नीरज दइया सम्मेलन द्वारा 'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान' से सम्मानित रचनाकार हैं।)

शराब बुरी कैसे हुई?

प्रसिद्ध संत तिरुवल्लुवर एक बार अपने शिष्यों के साथ कहीं चले जा रहे थे। रास्ते में आने जाने वाले लोग उनका अभिवादन कर रहे थे। तभी अचानक, एक शराबी झूमता हुआ उनके सामने आया और खड़ा हो गया। फिर उसने संत तिरुवल्लुवर से कहा, "लोगों से यह क्यों कहते फिरते हैं कि शराब खराब चीज है, मत पिया करो। क्या अंगूर खराब होते है, क्या चावल बुरी चीज है अगर ये दोनों चीजे अच्छी हैं तो इनसे बनने वाली शराब कैसे बुरी हो गई?"

लोग हैरत से देखने लगे कि संत तिरुवल्लुवर इस पर क्या जबाब देते हैं। संत मुस्कराकर बोले, "भाई, अगर कोई तुम पर मुट्ठी भर मिट्टी फेंके या कटोरा भर कर पानी डाल दे तो क्या इसमे तुम्हें चोट लगेगी?" शराबी ने ना में सिर हिलाया तो संत ने कहा, "लेकिन इसी मिट्टी में पानी मिलाकर उसकी ईंट बनाकर तुम पर फेकी जाए तब....?" शराबी ने कहा, "जाहिर सी बात है, उससे तो मैं घायल हो जाऊँगा।"

संत तिरुवल्लुवर ने शराबी को फिर समझाते हुए कहा, "भाई, जब मिट्टी में पानी मिलाकर उसकी ईंट बनाकर तुम पर गिराई जाए तब तुम उससे घायल हो जाओगे, इसी प्रकार अंगूर और चावल भी अपने आप में बुरे नहीं है मगर यदि इन्हें मिलाकर बनाकर सेवन किया जाए तो यह मनुष्य के लिए नुकसानदेह है। यह स्वास्थ्य को खराब करती है। इससे व्यक्ति की सोच और क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसके कारण तो परिवार नष्ट हो जाते है। संत की इस बात का उस शराबी पर गहरा असर पड़ा उसने उस दिन से शराब से तौबा कर ली।

('सेवा-साधना' से साभार)

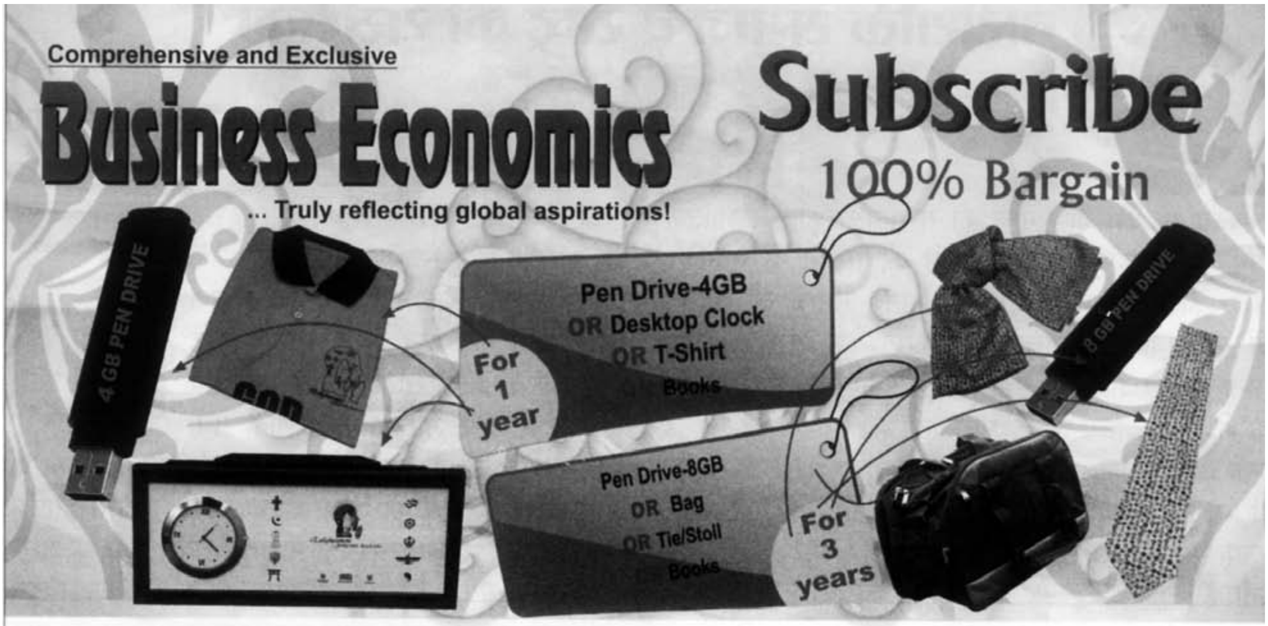

Subscribe **Business Economics :**

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐Bag OR ☐Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐4GB Pen Drive OR☐ Desktop ClockOR☐ T-Shirt OR☐Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | For 3 years Books of choice upto ₹ 1440

Business Economics

Subscription Form

Name : Mr./Ms.______

Address :______

______ City/District:______

State:______ Country:______ Pin Code :

E-mail :______ Mobile :______ Landline :______ STD CODE

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No.______ dated:______ for Rs.______ drawn on:______

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature:______ date:______

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री मनोज बोथरा नरहिया बाजार, मधुबनी बिहार	**श्री विजय कुमार डोकानिया** मे. विजय वस्त्रालय, लोकही बाजार, मधुबनी, बिहार	**श्री शम्भु कुमार बजाज** मे. गोयल वस्त्रालय लोकही, मधुबनी, बिहार	**श्री संतोष कुमार बजाज** मे. परिवार किराना बजाज लोकही बाजार, मधुबनी बिहार	**श्री अशोक कुमार टाँटिया** मे. मोहन लाल शिव प्रसाद, लकही बाजार मधुबनी, बिहार
श्री सुनील कुमार अग्रवाल मे. आदित्य किराना स्टोर लोकही बाजार, मधुबनी बिहार	**श्री दिनेश कुमार बजाज** ब्रह्मस्थान गली, राजकुमार गंज, दरभंगा, बिहार	**श्री शम्भु डोकानियाँ** मे. जय अम्बे हैंडलूम बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री संजीव मित्तल** मे. बजरंग चुड़ी भण्डार दरभंगा, बिहार	**श्री आनंद कुमार लुहारुका** मे. एस. के. ब्रदर्स गुल्लोबाड़ा, दरभंगा, बिहार
श्री अनुराग कुमार यादुका बड़ा बाजार, रामेशरगंज लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री अभिषेक कुमार शर्मा** बड़ा बाजार, दरभंगा बिहार	**श्री प्रवीण कुमार केडिया** गुल्लोबाड़ा, दरभंगा बिहार	**श्री अमित खेतान** जुरावर सिंह मार्ग कांके, बिहार	**श्री गोविन्द कुमार शर्मा 'पंडीत'** बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार
श्री विजय कुमार अग्रवाल मे. दरभंगा फ्लावर प्रा. लि. दरभंगा, बिहार	**श्री चिराग कुमार लोहारुका** मित्रा टोला, बिनोद बाबा के नजदीक, दरभंगा, बिहार	**श्री कुणाल तुलस्यान** के. एम. टैंक, लहरिया सराय, दरभंगा, बिहार	**श्री अजय कुमार जाजोदिया** मिर्जापुर, लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री अजय कुमार चौधरी** सुभाष चौक, दरभंगा बिहार
श्री गौरव कुमार शर्मा (कन्हैया) लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री पवन कुमार वर्मा** मे. आभुषण केन्द्र ज्वेलर्स लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री विकाश कुमार मित्तल** मे. श्री श्याम सैनिटरी दोनार चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री राजेश कुमार** बड़ा बाजार, दरभंगा बिहार	**श्री अनुप शर्मा** मे. पोद्दार सिंथेटिक्स पोद्दार हाउस, बड़ा बाजार दरभंगा, बिहार
श्री अरूण कुमार बाजोरिया मे. पूजा टेक्सटाईल्स एजेन्सी बाजोरिया गली, स्टेशन रोड भागलपुर, बिहार	**श्री बाल कृष्ण अग्रवाल** मे. ममता साड़ी, बोरिंग रोड, पटना बिहार	**श्री सुभाष चंद्र मित्तल** मे. कस्तुरी वस्त्रालय पटना, बिहार	**श्री गजानंद अग्रवाल** मे. सुधा मिल्क पार्लर बोरिंग रोड, पटना बिहार	**श्री महेश प्रसाद गुप्ता** तलवा भवन, भण्डार बगीचा, पटना, बिहार
श्री नुतन कुमार अग्रवाल बोरिंग कैनल रोड पटना, बिहार	**श्री संध्या पंसारी** युगल कुंज, रोड नं.-१६ पटना, बिहार	**श्रीमती अर्चना जैन** मनप्रभा अपार्टमेंट फ्लैट नं.-२०४, पटना, बिहार	**श्री ईशान कुमार जैन** २०४, मनप्रभा अपार्टमेंट पटना, बिहार	**श्री रमेश गोयनका** मे. अनन्या ट्रेडिंग कं. मुंगेरगंज, बेगुसराय, बिहार
श्री राजेश छापाड़िया मे. शिव शंकर फुटवेयर बेगुसराय, बिहार	**श्री रमेश कुमार कोटरीवाल** घी गली, मारवाड़ी मोहल्ला बेगुसराय, बिहार	**श्री मुरारी कुमार सुल्तानियाँ** मारवाड़ी मोहल्ला बेगुसराय, बिहार	**श्रीमती खुशबू हिसारीया** विश्वनाथ नगर, रोड नं-६ बेगुसराय, बिहार	**श्री गणेश कुमार हिसारीया** मे. बाँम्बे साड़ी हाउस मेन रोड, बेगुसराय, बिहार
श्री सुजीत कुमार केजरीवाल मे. शीतल ड्रेसेज एण्ड ज्वेलर्स झंझारपुर, मधुबनी, बिहार	**श्री संदीप कुमार तुलस्यान** द्वारा - मोहन लाल दीपक कुमार, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री अनिल कुमार** द्वारा - प्रिया किराना मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री युगल किशोर तुलस्यान** द्वारा - आशिर्वाद अपार्टमेंट मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री अनुप कुमार पालरीवाल** मे. कमला स्टोर मुजफ्फरपुर, बिहार
श्री राकेश चाचण मे. सांईस हाउस मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री हरिश कुमार जालान** मे. इंडो नेपाल ट्रेडिंग सिंडीकेट, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री सीताराम शर्मा** २०४, आशिर्वाद अपार्टमेंट मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री अवधेश अग्रवाल** द्वारा - बीकानेर स्वीट्स पटना, बिहार	**श्री विनोद कुमार जैन** ४०२बी, अलंकार सनसिटी, पटना, बिहार
श्रीमती रेखा अग्रवाल ४०२बी, अलंकार सनसिटी पटना, बिहार	**श्री गणेश कुमार ड्रोलिया** मे. जे. के. स्टोर सरायगंज, मुजफ्फरपुर बिहार	**श्री संजय कुमार** मे. श्रीद्धी इंवेस्टमेंट मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री कृष्णा कुमार भरतिया** भरतिया कालोनी रक्सौल, बिहार	**श्री अमित कुमार भरतिया** भरतिया कालोनी रक्सौल, बिहार
श्री दीपक जालान मे. न्यू इंडिया कस्टम, मेन रोड रक्सौल, बिहार	**श्री कृष्णा अग्रवाल** मे. गर्ग वाटिका, आश्रम रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री महेश कुमार छापड़िया** मे. अग्रवाल स्टोर, मेन रोड, रक्सौल, बिहार	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** मे. शक्मभरी टेक्सटाईल्स रक्सौल, बिहार	**श्री सौरभ चौधरी** मे. दाड़ी संगम, मेन रोड, रक्सौल, बिहार
श्री विक्रम राज अग्रवाल पोस्ट आफिस रोड रक्सौल, बिहार	**श्री विजय कुमार अग्रवाल** मे. संवरीया टेक्सटाईल्स रक्सौल, बिहार	**श्री हेमन्त कुमार अग्रवाल** मे. गणेश हैंडलूम स्टोर रक्सौल, बिहार	**श्री उमेश कुमार सीकरिया** मे. साड़ी ट्रेडर्स रक्सौल, बिहार	**श्री विजय कुमार मिश्रा** हनुमान मंदिर रोड रक्सौल, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री निनीत अग्रवाल मे. के. लॉन्ज, रक्सौल ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री राज कुमार भीमसरिया** श्री दीपा लीला काम्पलेक्स फ्लैट-१०१, कदमकुँआ, पटना, बिहार	**श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल** पोस्ट आफिस रोड खगड़िया, बिहार	**श्री अजय कुमार कोठारी** मे. किरण फर्टिलाईजर्स खगड़िया, बिहार	**डॉ. राज कुमार तुलस्यान** एस.डी.ओ. रोड खगड़िया, बिहार
श्री संजय कुमार केडिया द्वारा - मुस्कान इलेक्ट्रीक स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री विमल कुमार सुलतानियाँ** द्वारा - महादेव लाल प्रह्लाद राय, स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री श्रीराम खगड़ीया** मे. सुनील किराना, स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री गोपाल सरावगी** मे. स्वास्तिक भण्डार स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री रतन लाल खेड़ीया** मे. ज्योति ट्रेडिंग कं. मिल रोड, खगड़िया, बिहार
श्री श्रवण कुमार खेतान मे. श्री बालाजी इलेक्ट्रीक मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री पवन गुजरवासिया** मे. बालाजी कम्युनिकेशन मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री गोपाल प्रसाद खेतान** मे. हनुमान ट्रेडिंग कं. पश्चिम तल्ला, गोपालनगर बिहार	**श्री पंकज कुमार दहलान** मे. मधुबन, मिल रोड खगड़िया, बिहार	**श्री किशोर कुमार तुलस्यान** मे. स्वाती डिस्ट्रीब्युटर खगड़िया, बिहार
श्री चेतन कुमार तुलस्यान मे. बजरंग लाल निर्मल कुमार खगड़िया, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार तुलस्यान** मे. राणीसती डिस्ट्रीब्युटर खगड़िया, बिहार	**श्री धनपत कुमार जैन** मिल रोड, वार्ड नं-८ खगड़िया, बिहार	**श्री महेश कुमार केडिया** मे. निकुंज मेडिकल हाल खगड़िया, बिहार	**श्री प्रमोद केडिया** मे. सालासार ट्रेडर्स स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार
डॉ. सज्जन कुमार पंसारी मिल रोड, खगड़िया बिहार	**श्री सपन कुमार जगनानी** द्वारा - श्याम मेडिको मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री सीताराम बजाज** मे. बाबा स्टील, मिल रोड खगड़िया, बिहार	**श्री विष्णु कुमार जगनानी** मे. बालाजी आइस फैक्टरी गोशाला रोड, खगड़िया बिहार	**श्री विष्णु कुमार बजाज** मे. श्री श्याम काम्पलेक्स मिल रोड, खगड़िया, बिहार
श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल मे. कृष्ण एम. अग्रवाल एण्ड कं., खगड़िया, बिहार	**श्री नारायण बजाज** विश्वनाथ गंगा खगड़िया, बिहार	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** मे. सुनील फर्मा, मिल रोड खगड़िया, बिहार	**श्री प्रवीण कुमार सरावगी** मे. प्रवीण किराना, स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री नरेन्द्र कुमार गोयनका** मे. गोयनका ट्रेडिंग खगड़िया, बिहार
श्री अनिल कुमार केडिया मे. मार्डन मेडिकल हाउस मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री सुजीत कुमार बजाज** मे. बसल आटो मोबाइल्स एम.जी. रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री प्रशांत कुमार खण्डेलिया** मे. प्लाई एण्ड ग्लास स्टोर विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार	**श्री अनिल कुमार तुलस्यान** मे. रानीसती कम्युनिकेशन सागरमल चौक, खगड़िया, बिहार	**श्री पवन कुमार तुलस्यान** मे. सीता ट्रेडिंग एजेन्सी मुर्गीया चौक, खगड़िया, बिहार
श्री मनीष कुमार तुलस्यान मे. श्याम कुमार मनीष कुमार मुर्गीया चौक, खगड़िया, बिहार	**श्री पंकज सुल्तानियाँ** मे. नारायणी टेक्सटाईल्स मुर्गीया चौक, खगड़िया, बिहार	**श्री राज कुमार ड्रोलिया** मे. भगवती ट्रेक्टर वार्ड नं.-२६, एम.जी. मार्ग खगड़िया, बिहार	**श्री मनीत कुमार ड्रोलिया** मे. भगवती ट्रेक्टर्स वार्ड नं.-२६, एम.जी. मार्ग खगड़िया, बिहार	**श्री नितीश कुमार ड्रोलिया** मे. भगवती ट्रेक्टर्स, वार्ड नं.-२६, खगड़िया, बिहार
श्री विकाश कुमार ड्रोलिया मे. भगवती ट्रेक्टर्स वार्ड नं.- २६, एम.जी. रोड खगड़िया, बिहार	**श्री प्रणव कुमार खेतान** मे. राजेश फर्निसिंग मेन रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री रोहित बजाज** मे. बाल गोपाल, मेन रोड खगड़िया, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार** मे. बनारसी लाल प्रदीप कुमार, मिल रोड खगड़िया, बिहार	**श्री ओम प्रकाश खेतान** मे. माँ शितला टेक्सटाईल मुर्गीया चौक, खगड़िया, बिहार
श्री मनीष सुल्तानियाँ मे. भगवती ट्रेडर्स, मिल रोड खगड़िया, बिहार	**श्री राजेश टेकरीवाल** मे. बालाजी मेडिको, मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री बादल गोयल** मे. श्री शितला ट्रेडर्स, मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री पशुपति नाथ चमड़िया** मे. चमड़िया ब्रदर्स, लोहा पट्टी, खगड़िया, बिहार	**श्री ललित कुमार खेड़िया** मे. गायत्री ट्रेडिंग कं. लोहा पट्टी, खगड़िया, बिहार
श्री दीपक कुमार मे. बालाजी ट्रेडिंग कं. मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**डॉ. दीपक कुमार बजाज** मे. आनंद इंटरप्राईजेज, मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री बिनोद कुमार मोटानी** मे. हनुमान ट्रेडर्स मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री चन्द्र प्रकाश सिंहानियाँ** मे. नारायणी स्टोर्स मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री विजय कुमार केडिया** मे. नवनीत ड्रग स्टोर्स महावीर स्थान, खगड़िया, बिहार
श्री गौतम कुमार मे. बालाजी प्लास्टिक मिल रोड, खगड़िया, बिहार	**श्री कैलाश कुमार अग्रवाल** मे. खेड़िया एग्रीकल्चर स्टोर्स लोहा पट्टी, खगड़िया, बिहार	**श्री संदीप कुमार देवड़ा** मे. न्यु संतोष इलेक्ट्रीक जवाहर लाल रोड, मुजफ्फरपुर बिहार	**श्री मनोज कुमार सराफ** मे. त्रिमुर्ती एजेन्सी, प्रथम तल मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री मोहित अग्रवाल** मे. अग्रवाल स्टोर्स मुजफ्फरपूर, बिहार
श्री राजेश कुमार तुलस्यान मे. अग्रवाल इलेक्ट्रीक मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री सुरेश कुमार** २०९, समिरी प्लाजा मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री दीपक भरतिया** मे. आटो मेट, अंडीगोला मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री जय प्रकाश वर्मा** मे. राजश्री ज्वेलर्स, टावर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री चेतन सरावगी** हाउस नं.-१, राम चौक दरभंगा, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री शिव कुमार केजरीवाल मे. न्यु गोपी ग्लास हाउस मेन रोड, सकरी, मधुवनी, विहार	**श्री गोपाल प्रसाद लडिया** मेन रोड, सकरी, दरभंगा विहार	**श्रीमती उर्मिला देवी** मे. अग्रवाल मेडिकल स्टोर्स सुपौल, बिहार	**श्रीमती नीतु अग्रवाल** गणपतगंज, नील बाजार चौक, सुपौल, बिहार	**श्री सत्यनारायण अग्रवाल** गणपतगंज, कदम तल्ला चौक, सुपौल, बिहार
श्री चेतन शर्मा मे. ओम इलेक्ट्रीक, हास्पिट ल चौक, गणपतगंज, बिहार	**श्रीमती सोनाल देवी** गणपतगंज, मारवाड़ी मोहल्ला, सुपौल, बिहार	**श्रीमती जुगनी देवी** गणपतगंज, मारवाड़ी मोहल्ला, सुपौल, बिहार	**श्री मनिष कुमार केडिया** गणपतगंज, मारवाड़ी मोहल्ला, सुपौल, बिहार	**श्रीमती मंजु अग्रवाल** गणपतगंज, सुपौल बिहार
श्रीमती सुषमा भण्डारी गणपतगंज, सुपौल बिहार	**श्री प्रह्लाद राय** कदमतल्ला, गणपतगंज सुपौल, बिहार	**श्रीमती उषा माधोगड़िया** गणपतगंज, कदमतल्ला सुपौल, बिहार	**श्री मदन लाल सोनी** मे. न्यु सोनी ज्वेल्र्स मेन रोड, मंजेपुरा, बिहार	**श्री अमित कुमार सुल्तानियाँ** मे. एम.आर.एस. इंटरप्राईजेज कर्पूरी चौक, मधेपूरा, बिहार
श्री श्रवण कुमार सोनी मे. सोनी ज्वेल्र्स, मेन रोड मधेपूरा, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. मनोज स्टोर, वार्ड नं-१० मधेपूरा, बिहार	**श्री बिनोद कुमार प्राणसुखा** मे. शुभ लक्ष्मी वस्त्रालय मधेपूरा, बिहार	**श्री ललित कुमार अग्रवाल** मे, मधेपूरा एग्रीकल्चर सेन्टर, मधेपूरा, बिहार	**श्री संतोष कुमार सुल्तानियाँ** मे. सुल्तानियाँ मेडिकल स्टोर मेन रोड, मधेपूरा, बिहार
श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल मे. अग्रवाल आयल स्टोर मेन रोड, सुभाष चौक, मधेपूरा, बिहार	**श्री अरविन्द शर्मा** ३०१, विष्णु भवन, उत्तर बोरिंग कैनल रोड, पटना बिहार	**श्री अरूण चाण्डक** मे. साहेब एवं साहिब, हरि निवास कम्पलेक्स, डाक बंगला रोड, पजना, बिहार	**श्री कृष्णा कुमार केडिया** मे. बालाजी मशिनरी लक्खीसराय, बिहार	**श्री शिव कुमार जोशी** मे. बाबा रेडिमेड, सुरजगढ़ लक्खीसराय, बिहार
श्री सौरभ कुमार मे. जगदम्बा स्टोर, सलेमपूर रोड, लक्खीसराय, बिहार	**श्री सुमन कुमार** मे. गणेश भण्डार, सुरजगढ़ बाजार, लक्खीसराय, बिहार	**श्री गिरीवाल अग्रवाल** सुरजगढ़, लक्खीसराय बिहार	**श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** केशोपूर जमालपूर जमालपूर, बिहार	**श्री गौतम कुमार** द्वारा - सुधा प्लाई सेन्टर मुंगेर, बिहार
श्री उत्तम सरावगी मे. एम.बी.एस इंटरप्राईजेज नीलम रोड, मुंगेर, बिहार	**श्री राजेश कुमार बजाज** श्री रामौतार राजेश कुमार बजाज, बाजार चौक, मुंगेर, बिहार	**श्री राज कुमार खेमका** मे. पार्वती साड़ी सेन्टर, बेकापूर रोड, मुंगेर, बिहार	**श्री दीपक कुमार जैन** मे. आशोका ट्रेसेस चौक बाजार, मुंगेर, बिहार	**श्री महावीर प्रसाद शर्मा** द्वारा - श्याम प्रिया मोबाइल काम, मुंगेर, बिहार
श्री दिलीप कुमार सराफ अशोक स्तम्भ, चौक बाजार मुंगेर, बिहार	**श्री दीपक कुमार वर्मा** मे. अन्नपूर्णा ज्वेल्र्स, बेकापूर, मुंगेर, बिहार	**श्री राजीव टिबड़ेवाल** मे. अमर वस्त्रालय, राजीव गाँधी चौक, मुंगेर, बिहार	**श्री सुमीत अग्रवाल** मे. अग्रवाल ट्रेडर्स मुंगेर, बिहार	**श्री राजेश कुमार चमड़िया** मे. जुबलीवेल, बेकापूर मुंगेर, बिहार
श्री हिमांशु जोशी मे. रामजी लाल सागरमल मेडिकल स्टोर, मुंगेर, बिहार	**श्री चांदमल अग्रवाल** भूतनाथ रोड, पटना बिहार	**श्री रोहित गोयल** रोड नं.-२बी, राजेन्द्र नगर पटना, बिहार	**श्री जय गोपाल अग्रवाल** अम्बर मार्केट, बिड़ला मंदीर रोड, पटना, बिहार	**श्री मुरलीधर कानोड़िया** मे. राधे मीरा प्लेस पटना, बिहार
श्री बाल मुकुन्द खेतान मिर्ची गली चौक पटना, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार ड्रोलिया** मे. बजरंग खाद्यी भण्डार मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री पवन कुमार चनानी** मे. हरि ओम टेक्सटाइल्स सुपर मार्केट, वाराचकिया, बिहार	**श्री अमित कुमार तुलस्यान** मे. संजय वस्त्रालय, केशरीया रोड, पूर्वी चम्पारण, बिहार	**श्री मनोज कुमार सिंघानिया** मे. बैष्णो गाला भण्डार पूर्वी चम्पारण, बिहार
डॉ. श्रवण कुमार मोदी मोतिहारी रोड पूर्वी चम्पारण, बिहार	**श्री सुशील कुमार पोद्दार** श्री शाकम्भरी हैण्डलूम पूर्वी चम्पारण, बिहार	**श्री बिमल कुमार सराफ** धोबिया गली, सुतापट्टी मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री दिनेश कुमार मोर** संतोष काम्पलेक्स भण्डार बागीचा, पटना, बिहार	**श्री सागर मोर** संतोष काम्पलेक्स भण्डार बगीचा, पटना, बिहार
श्री महाबीर प्रसाद अग्रवाल मे. ब्युटी केयर मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री विजय शंकर मोदी** मे. ओम श्री विजय कार्पोरेशन, सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री रवि शंकर मोदी** मे. ओमश्री विजय कार्पोरेशन सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री शम्भु कुमार अग्रवाल** ६०७, कश्यप जगदीश इंक्लेव, छठवाँ तल, पटना, बिहार	**श्री राधेश्याम रूँगटा** मेन रोड, बरौली बिहार
श्री मुरारी कुमार गंगा मेन रोड, बरौली बिहार	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाल** मे. श्याम मोबाइल, बरौली गोपालगंज, बिहार	**श्री पवन अग्रवाल** मे. साधिका इंटरप्राईजेज गोपालगंज, बिहार	**श्री मुरारी खेतान** पो. सिद्धवालीया बाजार गोपालगंज, बिहार	**श्री अरूण खेतान** पो. सिद्धवालिया बाजार गोपालगंज, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री अजय कुमार अग्रवाल मे. भारत सुगर मिल्स गोपालगंज, बिहार	**श्री मनीष कुमार जैन** मे. भारत सुगर मिल्स सिद्धवालीया, गोपालगंज बिहार	**श्री सुरेश मंत्री** मे. सुरेश कोष उद्योग सिद्धवालीया, गोपालगंज बिहार	**श्री शशि केडिया** मे. भारत सुगर मिल्स सिद्धवालीया, गोपालगंज बिहार	**श्री बिनोद कुमार पोद्दार** मे. सुनील हार्डवेयर मीरगंज, बिहार
श्री मुरारी लाल पोद्दार मे. भगवती वस्त्र भण्डार मीरगंज, बिहार	**श्री नंद किशोर अग्रवाल** मेन रोड, मीरगंज, बिहार	**श्री विकाश अग्रवाल** मे. अग्रवाल टिम्बर डीपो गोपालगंज, बिहार	**श्री मनोज कुमार जाजोदिया** मे. ओम वस्त्रालय रोसड़ा, बिहार	**श्री संजय कुमार बूबना** वार्ड नं. १६, स्टेशन रोड समस्तीपूर, बिहार
श्री कमल सिंह बोहरा मे. सुमीत क्लाथ गारमेंट्स रोसड़ा, बिहार	**श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा** द्वारा - फोटो लाईट महाबीर चौक, रोसड़ा, बिहार	**श्री दिलीप कुमार सोंथलिया** मे. सोंथलिया वस्त्रालय समस्तीपूर, बिहार	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** मे. श्री भगवती प्रसाद अग्रवाल, वार्ड नं-१६, रोसड़ा, बिहार	**श्री महेश कुमार मालू** पो. रोसड़ा, समस्तीपूर बिहार
श्री आनंद कुमार बजाज द्वारा - संजीवनी ड्रग वार्ड नं.-१४, सिनेमा रोड रोसड़ा, बिहार	**श्री नथमल कुमार जाजोदिया** मे. ओम हैन्डलूम, स्टेशन रोड, रोसड़ा, बिहार	**श्री राज कुमार अग्रवाल** वार्ड नं.-१६, रोसड़ा समस्तीपूर, बिहार	**श्री दिलीप कुमार बजाज** मे. महावीर चौक, ब्लाक रोड, रोसड़ा, समस्तीपूर, बिहार	**श्री दुर्गा प्रसाद गुप्ता** द्वारा - दुर्गा ट्रांस्पोर्ट रोसड़ा घाट, समस्तीपूर बिहार
डॉ. मनमल गुप्ता द्वारा - मनिषी ट्रेडर्स, रोसड़ा घाट, समस्तीपूर, बिहार	**श्री विनोद कुमार शर्मा** मे. शर्मा म्युजिक, बैद्यनाथ, सुपर मार्केट, रोसड़ा, समस्तीपूर, बिहार	**श्री पवन कुमार सिंघी** मे. लक्ष्मी हैण्डलूम, रोसड़ा समस्तीपूर, बिहार	**श्री अनिल कुमार ड्रोलिया** हसनपूर रोड, समस्तीपूर बिहार	**श्री नारायण प्रसाद पट वारी (मित्तल)** २०बी, ब्रिटिश इंडिया स्ट्रीट, कोलकाता
श्री गिरधारी लाल शर्मा मे. गिरधारी शर्मा एण्ड कं. ६२, बेंटिक्ट स्ट्रीट, तीसरा तल, कोलकाता	**श्री मातादीन दारुका** डी-३, क्लस्टर पूर्वांचल हाउसिंग एस्टेट, साल्ट लेक, कोलकाता	**श्री सुभाष शर्मा** १२१/१, एन. के. बनर्जी स्ट्रीट, रिसड़ा, हूगली, प.बं.	**श्री मनोद सोमानी** ३०/ए/१२२ए, डॉ. पी.टी. लाहा स्ट्रीट, रिसड़ा, हूगली	**श्री सुभाष चन्द्र कुल्थिया** ११८, बांगूर पार्क रिसड़ा, हूगली
श्री अनूप सराफ मे. दीपक स्टोर्स, १४२, एम. जी. रोड, रानीगंज, प. बं.	**श्री दीपक जालान** डॉ. कालोनी, रामगान रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री अजीत कुमार क्याल** ३१/ए, एन. एस. बी. रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री बिकाश सतनालिका** ८०, एम. जी. रोड, रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री रोहित खेतान** ३, डॉ. एम. एन. घोष रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.
श्री हर्ष वर्धन खेतान ३, डॉ. एम. एन. घोष रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री समीर झुनझुनवाला** १०५, जे. एल. नेहरू रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री संजय बाजोरिया** १४८/१, तिलक रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री प्रदीप बाजोरिया** मे. मन पसंद एग्री फूड प्रा. लि., १४८/१, तिलक रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री राजेश कुमार गनेरीवाला** मे. महावीर आयल मिल ९८, तिलक रोड, रानीगंज, प. बं.
श्री कैलाश कुमार मोदी २०, जवाहर लाल नेहरू मार्ग रानीगंज, पश्चिम बर्दवान, प. बं.	**श्री संतोष कुमार टाँटिया** मे. साड़ी स्वास्तिक इण्डस्ट्रीज जी.टी. रोड, रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री संदीप कुमार भालोटिया** ५७, एन. एस. बी. रोड नीयर बारबंगला मोड़, रानीगंज, प. बं.	**श्री संदीप कुमार शर्मा** मंगलम, ९०, तिलक रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री अमिताभ सराफ** १०४, जवाहर नेहरू मार्ग रानीगंज, बर्दवान, प. बं.
श्रीमती मंजू गुप्ता द्वारा - डॉ. आर. के. गुप्ता राजबाड़ी, रानीगंज, प. बं.	**श्री बलराम झुनझुनवाला** ६, जी. टी. रोड (वेस्ट) रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री अमित सराफ** ७, जे. एल. नेहरू रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री महेश कुमार कालोटिया** १०७, ए. एस. बी. रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री अनिल लुहारूवाला** मे. शकुंतला फार्मेसी २६, ए.आर. रोड, चुड़ीपट्टी रानीगंज, बर्दवान, प. बं.
श्री सुन्दर भालोटिया ७सी, एल. एस. बी. रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री सुन्दर सत्नालिका** सिटसौल राजबाड़ी रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री सुमित क्याल** मे. सुरेश ट्रेडर्स, ४०, एम. जी. रोड, रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री राजीव बाजोरिया** मे. बाजोरिया मार्बल जी. टी. रोड, बंसरा मोड़ रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री शशि कान्त सतनालिका** ९८, एम. जी. रोड सतनालिका लेन, रानीगंज बर्दवान, प. बं.
श्री दिनेश कुमार दारूका दारूका भवन, तिलक रोड रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री पंकज कुमार माहेश्वरी** मार्बल्स रेसिडेन्सी, ब्लाक-ए गुरुकुल स्कूल के नजदीक रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री धनपत खेमका** मे. अमृत मार्बल्स, २७/२, एन. एस. बी. रोड, रानीगंज, बर्दवान, प. बं.	**श्री विजय कुमार सुरेका** मे. स्वरा कर्मशियल प्रा. लि. ७, गणपत बंगला लेन, कोलकाता	**श्री भुवनेश गोयल** सिल्वरूक एस्टेट, टावर-२ कालीपाड़ा बस स्टाप, राजरहाट, कोलकाता
श्री मोंटी भगत पी-२६९, बाँगुर एवेन्यु ब्लाक-बी, कोलकाता	**श्री पवन मुरारका** ३१/२ए, मार्कविस स्ट्रीट कोलकाता	**श्री ललित कुमार केजरीवाल** पी-८८, बाँगुर एवेन्यु ब्लाक-ए, कोलकाता	**श्री आनंद अग्रवाल** नर्मदा काम्पलेक्स, फ्लैट -२०५, नरेन्द्रपूर, कोलकाता	**श्री आनंद अग्रवाल** मे. आनंद डिस्ट्रीब्युटर्स टैक्सी स्टैंड, पुरुलिया, प. बं.

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com

Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**
E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

Dollar®
Bigboss
PREMIUM INNERWEAR
Fit Hai Boss
HE SPREADS
HIS WINGS
FOR INDIA TO FLY
www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals
Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 24th February 2019
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com